सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 217 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 21 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## कान्स फिल्म फेस्टिवल में 'आरजे बस्तर' की स्पेशल स्क्रीनिंग को मिला शानदार रिस्पॉन्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** 79वें कान्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में छत्तीसगढ़ी फिल्म 'आरजे बस्तर' ने अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ इसका स्वागत किया। भावनात्मक कहानी, सामाजिक संदेश और बस्तर की जमीनी सच्चाइयों को संवेदनशील तरीके से दिखाने के कारण फिल्म को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खूब सराहना मिली। फिल्म का निर्देशन मनीष माणिकपुरी ने किया है, जबकि इसे पीकेएस प्रोडक्शन के बैनर तले पवन कुमार सिंह ने प्रोड्यूस किया है। 'पंचायत' फेम अभिनेता चंदन रॉय फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फेस्टिवल में मौजूद दर्शकों ने फिल्म की जमकर तारीफ की।




### वैश्विक मंच तक पहुंची कहानी

अभिनेत्री चित्राशी रावत ने फिल्म को लेकर कहा, 'आरजे बस्तर' सिर्फएक फिल्म नहीं, बल्कि एक आवाज और एक सपना है। यह उन सभी लोगों के लिए गर्व का क्षण है, जिन्होंने अपनी जड़ों से आगे बढ़कर बड़े सपने देखने की हिम्मत की। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के दिल से निकली यह कहानी अब वैश्विक मंच तक पहुंच चुकी है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

### आदिवासी युवती के सपनों और संघर्ष की कहानी

फिल्म 'आरजे बस्तर' बस्तर की एक आदिवासी युवती की प्रेरणादायक कहानी पर आधारित है, जो सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद रेडियो जॉकी बनने का सपना देखती है। फिल्म में संघर्ष, आत्मविश्वास और सपनों को पूरा करने की जिद को बेहद सहज और प्रभावशाली अंदाज में पेश किया गया है। कान्स में फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद अभिनेता चंदन रॉय ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमारे लिए यह बेहद गर्व की बात है कि 'आरजे बस्तर' कान्स जैसे प्रतिष्ठित मंच पर प्रदर्शित हो रही है। यह छत्तीसगढ़ी भाषा में बनी फ़िल्म है और हमें पूरा विश्वास है कि यह दर्शकों का दिल जरूर जीतेगी।

## खास-खबर

### दुर्ग में युवक की संदिग्ध मौत से हड़कंप, घर में मिला शव, हत्या की आशंका

**भिलाई।** में रेलवे पुलिस भिलाई क्षेत्र के पुरैना स्थित स्टोर पारा में एक युवक अपने घर में मृत मिला। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और मोहल्लेवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने युवक की हत्या की आशंका जताई।जीआरपी प्रभारी डीएन श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक की पहचान 29 वर्षीय नसरू सोना के रूप में हुई है। बुधवार रात भोजन के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गए थे। गुरुवार सुबह पिता ने नसरू को मृत अवस्था में बिस्तर पर पाया। जीआरपी भिलाई तीन थाना को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि 19 मई को नसरू के साथ कुछ युवकों ने मारपीट की थी। मृतक ने इसकी शिकायत जीआरपी पुलिस से भी की थी और हमलावरों के नाम भी बताए थे। हालांकि, लोगों का आरोप है कि पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया, जिससे युवक की जान चली गई। जीआरपी ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जीआरपी ने इस मामले में कुछ संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो पाएगी। फ़िलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

### चंडीगढ़ में स्कूलों-हरियाणा कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

**नईदिल्ली।** चंडीगढ़ में कई स्कूलों को को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पहले के मामलों की तरह इस बार भी धमकी ईमेल के माध्यम से आई है। जिन स्कूलों को धमकी मिली है उनमें चितकारा स्कूल, स्ट्राबेरी स्कूल और डीपीएस स्कूल शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गईं और सघन तलाशी अभियान चलाया गया। धमकी भरी मेल में हरियाणा के सीएम नायब सैनी का नाम भी लिखा है। ईमेल में लिखा है कि स्कूलों में 1.11 बजे और सीएम सैनी के आफिस में 3.11 बजे धमाके होंगे। इसके अलावा लिखा गया है कि 6 जून तक अंबाला से दिल्ली रेलवे ट्रैक पर धमाके होंगे। धमकी भरे ईमेल में चंडीगढ़ को खालिस्तान बनाने की साजिश का जिक्र किया गया। साथ ही लिखा गया कि हमारा बच्चों से कोई बैर नहीं है। ईमेल के अंत में खालिस्तान नेशनल आर्मी लिखा हुआ है। अंत में उसी व्यक्ति का नाम लिखा है, जिसके नाम से पहले भी धमकी भरे मेल भेजे गए थे।

### दंतेवाड़ा में भाई ने गैंती मारकर कर दी भाई की हत्या

**दंतेवाड़ा।** जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत टेकनार कोटिपारा में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों के बीच कई दिनों से विवाद चल रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि एक भाई ने गुस्से में आकर गैंती मारकर दूसरे भाई की हत्या कर दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और घटना में प्रयुक्त लोहे की गैंती जब्त कर आरोपी को उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

## छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की बढ़ गई फीस, अगले सत्र से होगी लागू

■ छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में अलग-अलग मदों में ली जाने वाली फीस में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। बढ़ी हुई फीस आगामी शैक्षणिक सत्र से लागू होगी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) द्वारा फीस संशोधन का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा विभाग को भेजा गया था, जिसे शासन ने स्वीकृति प्रदान करते हुए आदेश जारी कर दिया है। विभाग की ओर से कहा गया है कि परीक्षा सामग्री, खेल सामग्री और विज्ञान प्रयोगशाला से जुड़ी सामग्रियों की लागत में वृद्धि को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

नई व्यवस्था के तहत एक्टिविटी फीस 50 रुपए से बढ़ाकर 65 रुपए कर दी गई है। गरीब छात्र सहायता कोष 10 रुपए से बढ़ाकर 15 रुपए किया गया है। साइंस क्लब फीस 20 रुपए से बढ़कर 25 रुपए होगी, जबकि स्काउट गाइड फंड 50 रुपए से बढ़ाकर 60 रुपए कर दिया गया है। इसी प्रकार खेलकूद फीस 50 रुपए से बढ़ाकर 65 रुपए तथा साइंस प्रैक्टिकल फीस भी 50 रुपए से बढ़ाकर 65 रुपए कर दी गई है। हायर सेकंडरी एक्टिविटी फीस में भी वृद्धि करते हुए इसे 50 रुपए से बढ़ाकर 75 रुपए किया गया है। हालांकि रेडक्रॉस फीस में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह पूर्ववत 30 रुपए ही रहेगी।

### व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में मिलेगी सहायता



शिक्षा विभाग का मानना है कि संशोधित शुल्क से स्कूलों को अतिरिक्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे, जिससे बुनियादी सुविधाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। हालांकि, फ़ीस वृद्धि को लेकर अभिभावकों और शिक्षा जगत में चर्चा भी तेज हो गई है, क्योंकि इससे सामान्य और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त खर्च का दबाव बढ़ सकता है। आगामी सत्र से लागू होने वाली यह नई व्यवस्था अब शिक्षा और आर्थिक संतुलन के बीच बहस का विषय बनती दिखाई दे रही है। सरकार और शिक्षा विभाग की नजरें इस फैसले के प्रभाव और उससे मिलने वाले परिणामों पर टिकी रहेंगी।

### 44 लाख छात्रों पड़ेगा असर

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार स्कूलों में आवश्यक शैक्षणिक संसाधनों और गतिविधियों के संचालन में बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए फीस संशोधन का निर्णय लिया गया है। वहीं फीस वृद्धि के बाद अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढने की संभावना जताई जा रही है। प्रदेश में करीब 56 हजार स्कूल संचालित हैं, जिनमें लगभग 56 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें से 44 लाख से अधिक छात्र सरकारी स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में संशोधित शुल्क व्यवस्था से सरकारी स्कूलों के पास बड़ी राशि उपलब्ध होगी।

## राहुल गांधी पर बरसे सीएम साय, बोले लोकतांत्रिक मर्यादाएं भूली कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज



**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए 'गद्दार' जैसे अशोभनीय शब्द के प्रयोग की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह बयान कांग्रेस की हताशा, राजनीतिक दिवालियापन और संकुचित मानसिकता को उजागर करता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लंबे समय से सत्ता से दूर रहने की निराशा में कांग्रेस अब लोकतांत्रिक मर्यादाओं की सीमाएं लांघ चुकी है। उन्होंने कहा कि जिस नेतृत्व ने आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी गंभीर चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करते हुए देश की सुरक्षा को नई मजबूती दी, भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाया और देश को विश्व मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया, उसी नेतृत्व के खिलाफ इस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

### संवैधानिक पद केवल व्यक्ति विशेष नहीं होते : साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री जैसे संवैधानिक पद केवल व्यक्ति विशेष नहीं, बल्कि राष्ट्र की गरिमा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रतीक होते हैं। राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा हो सकता है, लेकिन उसकी आड़ में अपमानजनक और अतिवादी भाषा का प्रयोग स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफहै। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी कांग्रेस नेतृत्व की राजनीतिक परिपक्वता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

### कांग्रेस का यह गैर-जिम्मेदाराना व लोकतंत्र-विरोधी आचरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा, विकास और आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचते हुए देख रही है। ऐसे में कांग्रेस का यह गैर-जिम्मेदाराना और लोकतंत्र-विरोधी आचरण देश की जागरूक जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

## बलौदाबाजार में थोक किराना दुकान और गोदाम में लगी आग, 5 करोड़ का सामान जलकर राख

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बलौदाबाजार।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में देर रात थोक किराना व्यवसायी दीपल ट्रेडर्स के गोदाम और दुकान में आग लग गई। इस घटना में करीब 5 करोड़ रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के लिए 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक लवन रोड पर व्यवसायी दीपल की गोदाम और दुकान है। रात करीब 9:30 बजे दुकान में आग लग गई, जो कि देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि उसकी लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं, जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय निवासियों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही बलौदाबाजार, सिमगा और अन्य नजदीकी क्षेत्रों से कुल पांच फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया।



## बंगाल के मदरसों में अब वंदे मातरम गाना अनिवार्य

■ शुभेंदु सरकार का एक और बड़ा फैसला

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। अल्पसंख्यक कार्य और मदरसा शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया गया है। अब मदरसों में इस आदेश का पालन करना जरूरी है। यह नया नियम सरकारी मदरसों से लेकर सभी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त मदरसों पर भी लागू होगा। राज्य सरकार का यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी उस निर्देश के बाद आया है, जिसमें राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसे गाने की बात कही गई थी।

इससे पहले राज्य की पूर्ववर्ती व्यवस्था के तहत स्कूलों की सुबह की सभा में बांग्लार माटी बांग्लार जल गीत गाना अनिवार्य था। हालांकि, नए आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अब राज्य गीत को वंदे मातरम और राष्ट्रगान के साथ जारी रखा जाएगा या नहीं। कुछ स्कूल प्रमुखों ने इसको लेकर व्यावहारिक दिक्कतों की ओर भी इशारा किया है। एक स्कूल प्रमुख ने कहा कि हम राष्ट्रगान को नहीं हटा सकते, क्योंकि वह अनिवार्य है। अब पहला गीत वंदे मातरम होगा और अगर राज्य गीत भी जोड़ा गया तो इसमें ज्यादा समय लगेगा, जिससे कक्षाएं शुरू होने में देरी होगी। नोटिस में राज्य गीत को लेकर कुछ नहीं कहा गया है।

शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि नए निर्देश में केवल वंदे मातरम को लेकर आदेश जारी किया गया है। अधिकारी ने कहा कि हमें वंदे मातरम को स्कूल प्रार्थना के रूप में शुरू करने को कहा गया है, लेकिन राज्य गीत का कोई उल्लेख नहीं है। वहीं, कई स्कूलों ने इस आदेश को लागू करना भी शुरू कर दिया है। जादवपुर विद्यापीठ के प्रधानाध्यापक पार्थ प्रतिम बैद्य ने कहा कि पिछले सप्ताह से हम राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम गीत गा रहे हैं।

## आईएमडी की चेतावनी : छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिन चलेगी लू

■ सेंट्रल पार्ट में लू चलेगी बिलासपुर में तापमान 45 डिग्री के पार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मौसम को लेकर आईएमडी ने बड़ा अपडेट दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिन तक छत्तीसगढ़ में भीषण लू का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए बताया है कि इस दौरान तापमान में कोई बदलाव होने की संभावना कम है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है और प्रदेश के कई जिलों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग ने गुरुवार को आगामी 5 दिनों तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी जारी करते हुए लोगों को दोपहर के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

रायपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार फ़िलहाल प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। विभाग ने 22 मई से 25 मई के बीच मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो क्षेत्रों में ग्रीष्म लहर (हीटवेव) चलने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बिलासपुर में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा दुर्ग में 42.2 डिग्री, रायपुर के लालपुर केंद्र में 41.9 डिग्री, माना एयरपोर्ट में 41.6 डिग्री, पेंड्रारोड में 41.2 डिग्री तथा अंबिकापुर में 41.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई, हालांकि अधिकांश क्षेत्रों में तेज धूप और गर्म हवाओं का प्रभाव बना रहा।

## शुभेंदु सरकार ने केन्द्र सरकार से मांगी सीआरपीएफ की 500 कंपनियां

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की पांच सौ कंपनियों को तैनात किया गया था। गत सप्ताह राज्य के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की गहन समीक्षा की गई। इसके बाद निर्णय लिया गया कि राज्य से अब केंद्रीय बलों की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाएगा। पहले चरण में 100 कंपनियों यानी 10 हजार जवानों की पश्चिम बंगाल से वापसी का आदेश जारी किया गया। अब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से आग्रह किया है कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर 180 दिन यानी अक्टूबर तक सीएपीएफ की पांच सौ कंपनियों की तैनाती को बरकरार रखा जाए। गृह मंत्रालय ने 20 जून तक सीएपीएफ की पांच सौ कंपनियों को राज्य में तैनात करने का आदेश जारी किया है।

## छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सप्ताह में दो दिन वर्कफ्रॉम होम, ऑनलाइन होगी सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने गर्मियों की छुट्टियों के दौरान संसाधनों की बचत के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय लागू किए हैं। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के निर्देशानुसार, 18 मई से 15 जून तक कोर्ट की सुनवाई मुख्य रूप से वर्चुअल यानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी, हालांकि जरूरत पडने पर व्यक्तिगत रूप से आने की अनुमति भी रहेगी। इसके अलावा, कर्मचारियों को हफ्ते में दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' की सुविधा दी गई है। हालांकि दफ्तर में 50 फीसदी उपस्थिति जरूरी रहेगी।

फ्यूल बचाने के लिए अधिकारियों को कारपूलिंग करने की सलाह दी गई है।

अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने गर्मियों की छुट्टियों के दौरान कुछ नए नियम लागू किए हैं। इन नियमों में कोर्ट की सुनवाई ऑनलाइन करना, कर्मचारियों को घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) देना और कारपूलिंग शामिल है। इन उपायों का मकसद संसाधनों की बचत करना है। रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, ये आदेश छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने दिए हैं। उन्होंने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की गर्मियों की छुट्टियों के लिए लागू नियमों को ध्यान में रखकर लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में गर्मियों की छुट्टियां 18 मई से शुरू हो कर 15 जून तक चलेंगी। सर्कुलर के मुताबिक, गर्मियों की छुट्टियों के दौरान हाई कोर्ट में मामलों की सुनवाई मुख्य रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जाएगी।

## संपादकीय

# बीमार अस्पताल

### महंगी मशीनें विलासिता नहीं बुनियादी जरूरत

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है। न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी-भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है। वहीं दूसरी ओर अकसर तकनीशियनों की अनुपलब्धता से एमआरआई मशीनें स्थापित नहीं हो पाती हैं। वहीं अनुबंध समाप्त होने के कारण अक्सर वेंटिलेटर धूल खाते रहते हैं। दूसरी तरफ रेडियोलॉजिस्ट और बायोमेडिकल इंजीनियरों की अनुपस्थिति के कारण निदान सेवाओं को आउटसोर्स किया जाता है। बार-बार की गई ऑडिट रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपये के जीवन रक्षक उपकरण महीनों से लेकर वर्षों तक बेकार ही पड़े रहते हैं। जिसका खमियाजा जरूरतमंद मरीजों को उठाना पड़ता है। किसी भी अस्पताल में एक खराब सीटी स्कैनर की वजह से दुर्घटना पीड़ितों, कैंसर के मरीजों और हृदयाघात के रोगियों के उपचार में देरी होती है। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का हर एक खाली पद कमजोर वर्ग के लोगों को महंगे निजी अस्पतालों में उपचार के लिये धकेल देता है। यह विडंबना ही है कि दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों के मरीज अक्सर लंबी दूरी तय करके सरकारी अस्पतालों तक पहुंचते हैं। अक्सर देखा जाता है कि उन्हें या तो मशीनें काम न करने वाली मिलती हैं या चलाने वाले कर्मचारी नहीं मिलते। निर्विवाद रूप से केवल मशीनें लगाने से ही मरीजों की समस्या का समाधान नहीं हो जाता। सही मायनों में सरकारी अस्पतालों में उपकरणों की उपलब्धता के साथ ही डॉक्टरों, तकनीशियनों आदि की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी ही चाहिए। वास्तव में किसी भी स्वास्थ्य सेवा का मूल्यांकन खरीदी गई महंगी मशीनों से नहीं, बल्कि सही समय पर उपचार का लाभ पाने वाले मरीजों की संख्या से होता है।

> एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है।

# नवा रायपुर : विकास, निवेश और आधुनिक भारत का उभरता स्मार्ट शहर

सुनील कुमार त्रिपाठी
सहायक संचालक

छत्तीसगढ़ की आधुनिक और योजनाबद्ध राजधानी नवा रायपुर अटल नगर आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे स्मार्ट शहरों में शामिल है। सुव्यवस्थित अधोसंरचना, हरित विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण जैसे विविध क्षेत्रों में हुई उल्लेखनीय प्रगति ने नवा रायपुर को भविष्य के भारत का आदर्श शहरी मॉडल बना दिया है। यह केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि निवेश, नवाचार और समावेशी विकास का उभरता हुआ केंद्र है।

### स्मार्ट अधोसंरचना और शहरी सेवाओं में बड़ी उपलब्धियाँ

नवा रायपुर अटल नगर में 52 एमएलडी क्षमता की पाइपलाइन और अत्याधुनिक जल शोधन संयंत्र के माध्यम से पूरे शहर में दीर्घकालिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इससे वर्तमान आबादी के साथ-साथ नए विकसित हो रहे सेक्टरों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सकेगी। वर्षाजल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए 10.66 किलोमीटर लंबी बायोस्वेल्स, रिचार्ज पिट्स और प्राकृतिक जल निकासी तंत्र विकसित किए गए हैं। इन पहलों ने न केवल जल संरक्षण को मजबूत किया है, बल्कि शहर के पर्यावरणीय संतुलन को भी सुदृढ़ किया है।

### परिवहन और कनेक्टिविटी को मिला नया आयाम

रायपुर-राजिम रेल सेवा का नवा रायपुर के सीबीडी स्टेशन तक विस्तार शहर की कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान कर रहा है महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पिंक ई-रिक्शा सेवा शुरू की गई है। साथ ही, ई-बस संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है और सेवा प्रारंभ होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यह पहल हरित और टिकाऊ शहरी परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

### शिक्षा के क्षेत्र में विकसित हो रहा एडूसिटी

नवा रायपुर के 13 सहकारी विद्यालयों का उन्नयन किया गया है और दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया गया है।

लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में एडूसिटी का विकास किया जा रहा है, जहाँ राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों जैसे National Institute of Fashion Technology (NIFT), National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT) और National Forensic Sciences University (NFSU), Narsee Monjee को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त सेक्टर-7 में 17 एकड़ भूमि पर आवासीय विद्यालय की स्थापना प्रस्तावित है।

### मेडिसिटी: स्वास्थ्य सेवाओं का नया केंद्र

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 500 एकड़ क्षेत्र में विश्वस्तरीय मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यहाँ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, धर्मशाला, होटल और आवासीय सुविधाएँ विकसित की जाएँगी।

इस परियोजना के तहत Bombay Hospital को 300 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। साथ ही, लगभग 50 एकड़ भूमि पर आवासीय विकास हेतु निजी निवेशकों को भूखंड आवंटित किए गए हैं, जिनमें लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

### महिला सशक्तिकरण और श्रमिक कल्याण

कार्यरत महिलाओं के लिए 1,000 क्षमता वाले वर्किंग वुमन हॉस्टल का निर्माण 109 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह परियोजना महिला सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। इसके अतिरिक्त, प्रवासी श्रमिकों के लिए 1,100 क्षमता वाला सर्वसुविधायुक्त श्रमिक आवास भवन 40 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है।

### पर्यटन, संस्कृति और MICE गंतव्य के रूप में उभार

नवा रायपुर में 77 एकड़ भूमि पर सेवाग्राम तथा सेक्टर-39 में Art of Living Foundation को 40 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहाँ सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के बड़े केंद्र विकसित हो रहे हैं। सेक्टर-4 और 10 में लगभग 120 एकड़ क्षेत्र में निजी निवेश के माध्यम से कन्वेंशन सेंटर कम स्पोर्ट्स सिटी विकसित की जा रही है। लगभग 800 करोड़ रुपये की इस परियोजना में विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर और टेनिस, तैराकी, कुश्ती, तीरंदाजी तथा स्क्वैश जैसी खेल सुविधाएँ शामिल होंगी।

### सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी का उभरता हब

नवा रायपुर में राज्य का पहला स्वर्ण आधारित एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निजी निवेश अपेक्षित है। यहाँ भारत का पहला तकनीक आधारित सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने के लिए भी भूमि आवंटित की गई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक कॉमन फैसिलिटी सेंटर हेतु भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त हुई है, जहाँ प्रोटोटाइपिंग, 3D प्रिंटिंग और EMC टेस्टिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। सीबीडी क्षेत्र में प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आईटी कंपनियों को सुसज्जित कार्यालय स्थान उपलब्ध कराए गए हैं। वर्तमान में लगभग 1,000 युवा कार्यरत हैं और 2,000 अतिरिक्त रोजगार सृजन की संभावना है।

### सतत विकास और हरित पहल

पीपल फॉर पीपल अभियान के अंतर्गत 1 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जिससे शहर के 26 प्रतिशत हरित क्षेत्र को संरक्षित और विस्तारित करने में मदद मिली है। बायोस्वेल्स, रिचार्ज सिस्टम और हरित कॉरिडोर जैसे उपाय नवा रायपुर को पर्यावरण-अनुकूल और जल-संवेदनशील शहर के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

### प्राधिकरण की आगामी कार्य योजना

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण आने वाले वर्षों में शहर को और अधिक आधुनिक एवं निवेश-आकर्षक बनाने हेतु कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है:

- सेरीखेड़ी और मंदिरहसौद क्षेत्र में लगभग 1,100 एकड़ पर 800 करोड़ रुपये की लागत से अधोसंरचना विकास।
- राज्य राजधानी क्षेत्र के एकीकृत विकास हेतु विशेष प्राधिकरण गठन।
- 500 एकड़ में मेडिसिटी और 200 एकड़ में एडूसिटी का विस्तार।
- नवा रायपुर को IT, ITeS और AI हब के रूप में स्थापित करना।
- वार्षिक पूंजीगत व्यय क्षमता को 1,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना।
- वेलनेस सेंटर, वेडिंग डेस्टिनेशन, MICE कैपिटल और पर्यटन परियोजनाओं में निजी निवेश को प्रोत्साहन।
- प्रभावित ग्राम पंचायतों में ग्राम विकास योजना के आधार पर आधुनिक अधोसंरचना विकास।
- इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) का तकनीकी उन्नयन।
- सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ करने हेतु 40 नई ई-बसों का संचालन।

### नई राजधानी, नए भारत की पहचान

नवा रायपुर अटल नगर आज योजनाबद्ध विकास, आधुनिक सुविधाओं और सतत शहरीकरण का सशक्त उदाहरण बन चुका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, पर्यटन और हरित विकास के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति इसे न केवल छत्तीसगढ़ की नई पहचान बना रही है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरक मॉडल के रूप में स्थापित कर रही है।

आने वाले वर्षों में नवा रायपुर अटल नगर निश्चित ही भारत के सबसे आधुनिक, निवेश-अनुकूल और जीवन गुणवत्ता से परिपूर्ण शहरों में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

# स्त्रियों के लिए फ्री बस टिकट चैरिटी नहीं, एक जरूरत है.....

मेघना पंत

शाम होते ही भारत में बस स्टॉप पर खड़ी कोई महिला बस के रूट नंबर से पहले आसमान की ओर झांकने लगती है। इसलिए नहीं कि उसे बारिश की चिंता है, बल्कि इसलिए कि अंधेरे में यहां महिलाओं के लिए हर चीज के मायने बदल जाते हैं। रात को बाहर निकले किसी पुरुष को यहां यात्रा करने वाला एक आम इंसान माना जाता है, लेकिन सूरज ढलने के बाद कोई महिला बाहर निकले तो सवाल उठने लगते हैं। कहां जा रही है? अकेली क्यों है? कौन इंतजार कर रहा है?

इसीलिए बंगाल में हाल ही शुरू की गई महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा के प्रावधान वाली योजनाएं अहम हैं। इनकी अहमियत इसलिए नहीं है कि बस का टिकट महंगा होता है, बल्कि इसलिए है कि भारत में महिलाओं के लिए बाहर निकलना आवाजाही की जरूरत से ज्यादा एक भावनात्मक विषय होता है। और यों देखें तो महज 40 रुपए भी लाखों महिलाओं के लिए कर्ज और सम्मान के बीच का फर्क हो सकते हैं।

कोई महिला घर से बाहर महज काम पर जाने के लिए ही नहीं निकलती। वह आत्मनिर्भरता और सम्भावनाओं की ओर भी जा रही हो सकती है। वह बिना किसी की इजाजत दुनिया में अपने अस्तित्व के अधिकार की ओर बढ़ रही हो सकती है। सम्भव है वह शहरभर में दो बसें बदलकर अपनी आर्थराइटिस से पीड़ित मां की देखभाल करने जा रही हो।

सम्भवत: शादी के बाद छोड़ दिए गए किसी पाठ्यक्रम में उसका फिर दाखिला हो गया हो। या फिर शायद वो बेहतर कमाई वाली नौकरी के लिए यात्रा कर रही हो। या फिर किसी एब्यूसिव पति से दूर शांति से कुछ घड़ी बिताने अपनी बहन के यहां जा रही हो। और यह भी हो सकता है कि वह ऑफिस के बाद बस चंद पलों के

सुकून के लिए समुद्र किनारे बैठ गई हो, क्योंकि घर लौटने पर सिंक भर कर बर्तन तो उसका इंतजार कर ही रहे हैं, जो उसका बिना वेतन वाला काम है।

खैर, बहुतेरे पुरुषों को यह बात समझ नहीं आती, क्योंकि भारत में सार्वजनिक जगहें हमेशा से उन्हीं की मानी गई हैं। आप हर जगह ऐसा देख सकते हैं। वे पूरे फुटपाथ पर वाहन पार्क कर देते हैं। जहां महिलाएं बच्चों की प्राम लेकर चलती हैं, वहां वे बाइक चलाते हैं।

शहरों की दीवारों को तो उनमें से कइयों ने अपनी सुविधा के लिए बनाए पब्लिक टॉयलेट मान ही लिया है। सड़कों, रेलवे स्टेशनों, सीढ़ियों और कोनों में वे अमूमन बिना किसी हिचकिचाहट थूकते-पीकते दिखलाई दे सकते हैं। सार्वजनिक जगहों पर हर तरफ आपको पुरुषों की मौजूदगी के निशान मिलेंगे- बुलंद, बिना किसी संकोच और सवाल के। वहीं महिलाओं को सिखाया जाता है कि खुद को सीमित रखो, आंख मिलाने से बचो, अंधेरा होने से पहले घर लौट आओ।

मुंबई जैसे कुछ शहरों को छोड़ दें- जहां सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं की मौजूदगी अपेक्षाकृत सामान्य मानी जाती है- तो आज भी भार के ज्यादातर शहर शाम छह-सात बजे बाद महिलाओं से खाली होने लगते हैं- अगर उनके साथ कोई पुरुष नहीं है तो। रात को अकेली महिला आज भी असामान्य, या उससे भी बदतर, एक निमंत्रण के जैसी मानी जाती है।

इसलिए जब सरकारें महिलाओं के लिए 'पिंक टिकट' यानी फ्री बस यात्रा जैसी योजनाएं शुरू करती हैं तो यह चैरिटी नहीं होती। यह फ्रीबी नहीं है। यह छोटा, किन्तु क्रान्तिकारी ऐलान है कि महिलाओं को भी आवाजाही का अधिकार है। उन्हें शहरों में रहने और नजर आने का हक है।

लेकिन सुरक्षा सिर्फ टिकट तक ही सीमित नहीं हो सकती। पर्याप्त रोशनी वाले बस स्टॉप, सीसीटीवी, महिला कंडक्टर, सुरक्षाकर्मी, पैनिक बटन और अंतिम छोर तक भरोसेमंद कनेक्टिविटी भी चाहिए। क्योंकि अकसर किसी महिला के लिए सबसे जोखिमभरा सफर बस स्टॉप से अकेले घर तक जाना होता है।

**( ये लेखिका के अपने विचार हैं )**

# हंतावायरस-इबोला से फिर स्वास्थ्य चुनौती

मुकुल व्यास

कांगो में तेजी से फैल रहे इबोला वायरस ने चिंता बढ़ा दी है क्योंकि वहां युद्ध की वजह से संक्रमण पर काबू पाना मुश्किल है। इबोला की प्रजाति भी दुर्लभ है जिसे रोकने के लिए कम ही साधन हैं। वायरस संक्रमित लोगों में से एक-तिहाई लोगों की जान ले लेता है। वहीं हंतावायरस की नई चुनौती भी है।

कुछ दिन पहले एक क्रूज जहाज, एमवी होंडियस पर हंतावायरस के मामलों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। अब डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए नई चिंता पैदा कर रहा है। यह वायरस हफ्तों से दुनिया के एक ऐसे हिस्से में फैल रहा है, जहां गृह युद्ध की वजह से संक्रमण पर काबू पाना मुश्किल है। साथ ही, इसमें शामिल इबोला की प्रजाति भी दुर्लभ है। इसलिए इस वायरस को रोकने के लिए अधिकारियों के पास कम ही साधन उपलब्ध हैं। यह वायरस संक्रमित लोगों में से लगभग एक-तिहाई लोगों की जान ले लेता है। यह इस महामारी के फैलने का एक बहुत ही नाजुक दौर है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक प्रतिनिधि ऐन एन्सिया ने चेतावनी दी है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप, जिसने कम से कम 131 लोगों की जान ले ली है, शायद मूल अनुमान से कहीं ज्यादा तेजी से फैल रहा है। डॉ. एन्सिया ने बताया कि जांच से यह और भी साफ होता जा रहा है कि यह बीमारी दूसरे इलाकों में भी फैल चुकी है। अभी तक डीआर कांगो में 513 से ज्यादा मामलों का संदेह है, जबकि पड़ोसी देश युगांडा में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। लंदन स्थित एमआरसी सेंटर फॉर ग्लोबल इन्फेक्शियस डिजीज एनालिसिस द्वारा

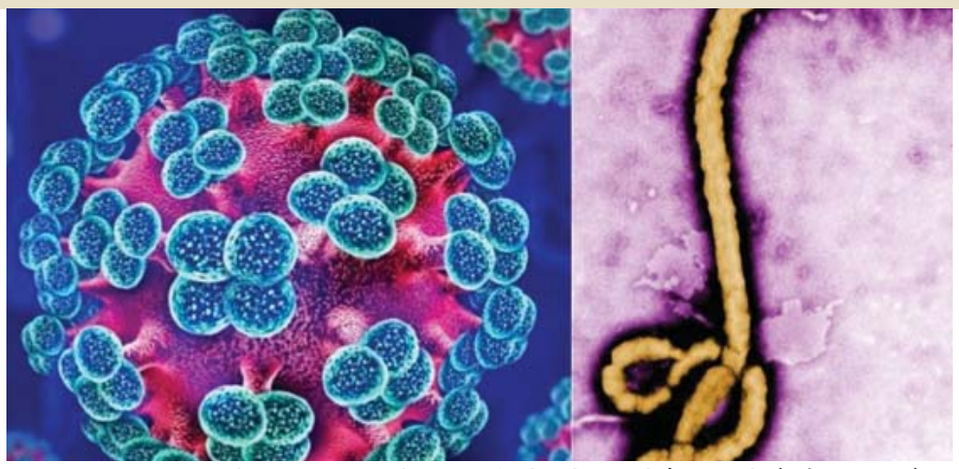

जारी किए गए एक मॉडल के अनुसार, इबोला के बहुत से मामले पकड़ में नहीं आए हैं, और इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि मामलों की संख्या 1,000 से अधिक है।

दरअसल, मौजूदा प्रकोप जितना अभी दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा बड़ा है और इसका असली दायरा अभी भी अनिश्चित है। 6 अमेरिकी नागरिकों के वायरस के संपर्क में आने की सूचना मिली है। इबोला के अधिकतर मामले छोटे स्तर के ही होते हैं, लेकिन विशेषज्ञ 2014-16 में फैली महामारी को याद करके नए प्रकोप पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। उस समय पश्चिम अफ्रीका में इबोला के सबसे बड़े प्रकोप के दौरान 28,600 लोग संक्रमित हुए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'अंतर्राष्ट्रीय चिंता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी' घोषित किया है। लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि हम कोविड जैसी किसी बड़ी महामारी के शुरुआती दौर में पहुंच गए हैं।

पूरी दुनिया के लिए इबोला से होने वाला खतरा अब भी कम है। वर्ष 2014-16 में इबोला महामारी के दौरान भी ब्रिटेन में इबोला के केवल तीन मामले सामने आए थे, और वे सभी स्वास्थ्यकर्मी थे जो स्वेच्छा से मदद के लिए आगे आए थे। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के पैंडेमिक साइंसेज इंस्टिट्यूट की वैज्ञानिक डॉ. अमांडा रोजेक का कहना है कि नए प्रकोप पर काबू पाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी तालमेल की जरूरत है। युगांडा, दक्षिण सूडान और रवांडा जैसे पड़ोसी देशों के लिए यह इबोला अब भी एक बड़ा खतरा बना हुआ है। इन देशों को व्यापार और यात्रा के घनिष्ठ संबंधों के कारण 'उच्च जोखिम' वाले देशों की श्रेणी में रखा गया है। इबोला एक गंभीर और जानलेवा संक्रामक बीमारी है।

दरअसल, इबोला वायरस स्वाभाविक रूप से जानवरों, मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों को संक्रमित करते हैं, लेकिन अगर लोग उनके सीधे संपर्क में आते हैं, तो वे भी संक्रमित हो सकते हैं। इस प्रकोप का कारण इबोला वायरस की बुंडिबुग्यो प्रजाति है। यह उन तीन प्रजातियों में से एक है, जिनके कारण संक्रमण फैलता है। बुंडिबुग्यो ने पहले केवल दो बार प्रकोप फैलाया है। वर्ष 2007 और 2012 में इसने संक्रमित लोगों में से लगभग 30 प्रतिशत की जान ले ली थी। बुंडिबुग्यो वायरस स्वास्थ्य कर्मियों के समक्ष कई तरह की चुनौतियां खड़ी करता है।

इबोला वायरस की अन्य प्रजातियों के विपरीत बुंडिबुग्यो के लिए कोई भी स्वीकृत टीका या दवा उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाएं अवश्य मौजूद हैं। वायरस के संक्रमण की पुष्टि करने वाले टेस्ट बहुत कारगर नहीं हैं। इस प्रकोप के शुरुआती नतीजे इबोला वायरस के लिए नेगेटिव आए थे और वायरस की पुष्टि करने के लिए अधिक उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों की आवश्यकता पड़ी। इसमें बुंडिबुग्यो भी शामिल है। ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर ट्रूडी लैंग कहती हैं कि बुंडिबुग्यो से निपटना इस प्रकोप में एक बहुत बड़ी चिंता है।

समझा जाता है कि संक्रमण होने के दो से 21 दिनों के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं। शुरुआत में ये फ्लू के लक्षणों जैसे होते हैं जिनमें बुखार, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। लेकिन जैसे-जैसे इबोला बढ़ता है, इससे उल्टी, दस्त और शरीर के अंगों का काम करना बंद हो जाना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। कुछ मरीजों को शरीर के अंदर और बाहर रक्तस्राव की समस्या भी हो जाती है। बुंडिबुग्यो वायरस को सीधे निशाना बनाने के लिए कोई भी स्वीकृत दवा उपलब्ध न होने के कारण इसका इलाज बेहतर सहायक देखभाल पर निर्भर करता है, जिसमें दर्द, अन्य संक्रमणों, शरीर में तरल पदार्थों और पोषण का प्रबंधन शामिल है। शुरुआती देखभाल से मरीज के बचने की संभावना बढ़ जाती है।

अफ्रीका में इबोला के मामले सामने आने से कुछ दिन पहले एक क्रूज जहाज पर कुछ यात्रियों के हंतावायरस के संक्रमित लोगों की खबर ने कोविड के दिनों की याद ताजा कर दी। छह साल पहले, मार्च 2020 में एक क्रूज जहाज रूबी प्रिंसेस के सिडनी में डॉक होने के बाद कोविड फैल गया था। जहाज से उतरे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 575 लोग कोविड से संक्रमित थे। इसके बाद यह वायरस और दूसरे लोगों में भी फैल गया। अत: अब एमवी होंडियस जहाज पर हंतावायरस की मौजूदगी पर स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा तत्काल सावधानी बरतना और क्वारंटीन जैसे कदम उठाना स्वाभाविक था। होंडियस के यात्री एंडीज वायरस के संपर्क में आए जो कि एक प्रकार का हंतावायरस है जो चूहों से फैलता है। एंडीज वायरस एक खतरनाक वायरस है लेकिन कोविड के साथ इसकी तुलना कुछ हद तक ही की जा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अनेक विशेषज्ञों का कहना है कि इस वायरस में वे विशेषताएं नहीं हैं जो इसे 'अगला कोविड' बना सकें। हंतावायरस एक ऐसा वायरस समूह है जो आमतौर पर चूहों, गिलहरियों और चूहों जैसी अन्य प्रजातियों (रोडेंट) द्वारा फैलाया जाता है। ज्यादातर हंतावायरस के बारे में यह नहीं मालूम है कि वे एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलते हैं या नहीं। लेकिन एंडीज वायरस इसका अपवाद है। संक्रमित चूहों से इंसानों में फैलने के बाद यह एकमात्र ऐसा हंतावायरस है जिसके एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलने के पुष्ट प्रमाण मौजूद हैं।

**लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।**

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## प्रमुख खबरें

### जोन-2 क्षेत्र के वार्डो एवं नालों की युद्धस्तर पर हो रही सफाई

**भिलाई।** आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के मार्गदर्शन में वर्षा ऋतु पूर्व विशेष सफाई अभियान के तहत नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई कराई जा रही है। इसी क्रम में रामनगर स्थित मुक्तिधाम के पास नाला सफाई कार्य भी कराया जा रहा है। नालों में जमा कीचड़, कचरा एवं झाड़ियों को हटाया जा रहा है जिससे बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जोन क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से वार्डों में सफाई कार्य किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी स्वच्छता बनाए रखने एवं कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की है।

### वार्ड 25 से 38 और 55 में सुशासन तिहार 23 मई को

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा सुशासन तिहार, 2026 शिविर का आयोजन शनिवार को पुराना गंज मंडी में किया जाएगा। 23 मई को पुराना गंजमंडी में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें वार्ड क्रमांक 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38 एवं 55 के नागरिकों की समस्याओं का निराकरण सुशासन तिहार में किया जाएगा। नगर निगम दुर्ग प्रशासन ने संबंधित वार्डों के नागरिकों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं आवश्यक आवेदन प्रस्तुत कर शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। इन शिविरों के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

### बारिश के दौरान नागरिकों को नहीं होने देंगे परेशानी - महापौर

**दुर्ग।** आगामी बारिश के मद्देनजर नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा शहर में जलभराव और जल निकासी संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग एवं निगम अमला लगातार शहर की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहा है। इसी क्रम में आज लोक कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने वार्ड पार्षद दीपक साहू, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी शेखर दुबे के साथ सहगल ऑटो के समीप कसारीडीह नाला पहुंचकर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। इसके लिए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष तैयारी की जा रही है।

## अंगदान की घोषणा करने वालों को राजकीय सम्मान देने सर्वधर्म सेवा संस्था ने विधानसभा अध्यक्ष से की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सर्वधर्म सेवा संस्था, भिलाई द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में अंगदाताओं को मरणोपरांत राजकीय सम्मान प्रदान किए जाने की मांग को लेकर आज माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी को स्मरण-पत्र सौंपा गया।

संस्था द्वारा पूर्व में भी इस संबंध में आवेदन प्रेषित किया गया था। उसी क्रम में महासचिव राकेश रत्नाकर की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने पुनः मुलाकात कर इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल में प्रतीक भोई, रघुवंश सैनी, नोहर सिंह, वसंत सलंकर सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्मरण-पत्र में उल्लेख किया गया कि दिन-प्रतिदिन बढ़ते प्रदूषण, अनियमित जीवनशैली एवं बढ़ती बीमारियों के कारण मानव अंग तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। इसके चलते अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन अंगदान के

प्रति जागरूकता की कमी के कारण अनेक मरीज समय पर अंग नहीं मिलने से जीवन खो देते हैं।

संस्था ने कहा कि यदि राज्य सरकार द्वारा अंगदाताओं को राजकीय सम्मान प्रदान किया जाता है, तो इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा एवं अधिक से अधिक लोग अंगदान जैसे पुनीत कार्य के लिए प्रेरित होंगे।

स्मरण-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि विदेशों में अंग प्रत्यारोपण को अत्यंत गंभीरता से लिया जा रहा है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए अब ड्रोन के माध्यम से एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक मानव अंगों को शीघ्रता से पहुंचाया जा रहा है, ताकि समय पर मरीजों का जीवन बचाया जा सके।

संस्था ने ओडिशा, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश एवं कर्नाटक जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां अंगदाताओं को सम्मान देने एवं जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक पहल की गई है, जिससे अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

## वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 659.69 लाख रुपए के कार्यों को मिली मंजूरी

### विधायक रिकेश के विशेष प्रयासों से सीवरेज लाइन, नाली कव्हर, सड़क व जल प्रबंधन कार्य स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** विधायक रिकेश सेन के सतत प्रयासों से वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सीवरेज लाइन नवीनीकरण, नालियों पर प्रीकास्ट कव्हर, चेंबर निर्माण और जल प्रबंधन से जुड़े कार्यों के लिए कुल 659.69 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है।

इन कार्यों के पूरा होने से लंबे समय से जलभराव, गंदगी, बदहाल सीवरेज व्यवस्था और खुले नालों की समस्या से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा।

स्वीकृत कार्यों में वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत कई प्रमुख वार्ड और कॉलोनियां शामिल हैं। आपको बता दें कि बहुत जल्द वैशाली नगर अंतर्गत एमआईजी लाइन में सीवरेज लाइन सुधार कार्य होंगे। जवाहर नगर क्षेत्र में एचडीपीई लाइन से शेल मॉन्टेसरी स्कूल तक सीवरेज लाइन निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

बहुत जल्द नेहरू नगर, गांधी नगर, कृष्णा नगर, लक्ष्मी नगर, फरीद नगर, गदा चौक सुपेला समेत कई वार्डों में नालियों पर प्रीकास्ट कव्हर लगाने का कार्य शुरू हो जाएगा।

इसके आलावा वैशाली नगर, अंबेडकर नगर, कोहका, प्रियदर्शिनी नगर और अन्य क्षेत्रों में नालियों को कव्हर करने की योजना स्वीकृत हो गई है। प्रियदर्शिनी नगर, मस्तूरीपारा, कैम्प क्षेत्र और अन्य इलाकों में नालियों के प्रीकास्ट स्लैब निर्माण होगा। वार्ड 17 और 15 में चेंबर युक्त लाइन निर्माण एवं नालियों के ऊपर चेंबर कव्हर लगाने का कार्य भी शामिल है। निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनों में जीवीपी का सौंदर्यीकरण कार्य भी स्वीकृत हुआ है।

### बारिश के दिनों में क्षेत्र की जनता को मिलेगी राहत

इन विकास कार्यों के पूरा होने के बाद बारिश के दौरान जलभराव की समस्या कम होगी, सीवरेज जाम और गंदगी से राहत मिलेगी, खुले नालों से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी, कॉलोनियों में स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर होगी, आवागमन सुगम और सुरक्षित बनेगा और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी।

### विधायक रिकेश सेन ने जताया शासन का आभार

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और नगरीय प्रशासन विभाग का आभार जताते हुए कहा कि इन कार्यों से क्षेत्रवासियों को सीधा लाभ मिलेगा और अधोसंरचना मजबूत होगी।

## खरीफ सीजन से पहले खाद की उपलब्धता सुनिश्चित हो : देवेन्द्र

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने प्रदेश में खरीफ सीजन शुरू होने से पहले किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग को लेकर कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम और खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता वितरण मंत्री दयाल दास बघेल को पत्र लिखा है।

विधायक देवेंद्र यादव ने पत्र में उल्लेख किया है कि समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिल रही है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में खरीफ सीजन शुरू होने से पहले ही किसानों के लिए खाद संकट की स्थिति बन रही है। विशेष रूप से डीएपी खाद की कमी को लेकर किसानों में चिंता बढ़ रही है। वहीं यूरिया का भंडारण भी अपर्याप्त बताया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और प्रदेश की आधे से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है। ऐसे में खरीफ सीजन से पहले खाद संकट की स्थिति किसानों के लिए गंभीर परेशानी खड़ी कर सकती है। विधायक ने सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में खाद की उपलब्धता को अभी संतोषजनक नहीं बताया।

पत्र में दुर्ग जिले की वर्तमान स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार जिले में खाद वितरण का लक्ष्य 67,880 मीट्रिक टन है।

अब तक 29,035 मीट्रिक टन खाद का भंडारण हुआ है, जिसमें से 10,171 मीट्रिक टन किसानों को वितरित किया जा चुका है। वर्तमान में 18,864 मीट्रिक टन खाद शेष है, जबकि जिले में 38,845 मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता बताई गई है।

विधायक देवेंद्र यादव ने मंत्रियों से आग्रह किया है कि दुर्ग जिले सहित प्रदेश के किसानों को खरीफसीजन से पहले पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि किसानों को समय पर खाद मिल सके और कृषि कार्यों को गति मिल सकेगी।

## यातायात दुरुस्त करने निगम ने पावर हाउस क्षेत्र की सड़कों से हटाए ठेले-खोमचे

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव एवं सड़क दुर्घटनाओं की घटनाओं को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा पावर हाउस चौक क्षेत्र में अवैध रूप से सड़क किनारे लगाए गए ठेला, खोमचा एवं अस्थायी अतिक्रमणों पर बेदखली कार्यवाही की गई। निगम की बेदखली टीम ने मुख्य मार्गों और चौक-चौराहों पर यातायात बाधित करने वाले अवैध कब्जों को हटाकर मार्ग को व्यवस्थित कराया।

कार्यवाही के दौरान निगम अधिकारियों ने ठेला संचालकों एवं दुकानदारों को समझाइश देते हुए सड़क एवं फुटपाथ पर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी।

अधिकारियों ने कहा कि अवैध रूप से ठेला एवं गुमटी लगाए जाने से यातायात प्रभावित होता है तथा दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

नगर निगम की टीम ने पावर हाउस चौक क्षेत्र में कई स्थानों से अतिक्रमण हटाते हुए मार्ग को सुगम बनाया। साथ ही भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर सख्त कार्यवाही करने की चेतावनी भी दी गई। नगर निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रखने की बात कही गई है।

### संयंत्र में एक्सकेवेशन कार्यों की सुरक्षा पर इंटरेक्शन

**भिलाई।** सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के सभागार में 19 मई को एक्सकेवेशन कार्यों से संबंधित सुरक्षा विषय पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का आयोजन किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस परिचर्चा में विभागीय सुरक्षा अधिकारियों सहित विभिन्न संबंधित विभागों के कुल 48 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्खनन कार्यों के दौरान संभावित जोखिमों, सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक सावधानियों के प्रति विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों को जागरूक करना था। उप महाप्रबंधक (परियोजनाएं) अशोक जसवानी ने संभावित खतरों एवं जोखिमों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

## छत्तीसगढ़ राज्य परिवहन निगम का गठन जल्द से जल्द किया जाए : उमाशंकर राव

### राज्य निर्माण के 26 साल बाद भी नहीं बन पाना दुःखद

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** आंध्र स्वाभिमान एसोसिएशन के संयोजक के.उमाशंकर राव ने छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ राज्य परिवहन निगम का शीघ्र गठन किए जाने की मांग किए।

श्री राव ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य बने 26 वर्ष हो चुके हैं। किन्तु आज तक छत्तीसगढ़ राज्य परिवहन निगम नहीं बन पाया। देश के सभी राज्यों में राज्य परिवहन निगम सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य वासियों को बेहतर राज्य परिवहन के माध्यम से बस सेवा की अति आवश्यकता है।

देश के अन्य राज्यों में राज्य परिवहन निगम द्वारा बेहतर बस सेवा दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य परिवहन निगम के गठन होने पर छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं एवं महिलाओं को स्थाई रोजगार मिल पाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य में राज्य परिवहन निगम प्रारंभ होने पर किफायती दर पर आम जनता को बेहतर बस सेवा उपलब्ध होगी।

छत्तीसगढ़ राज्य में प्राइवेट बस सुविधा बहुत महंगी होने के कारण आम लोगों अधिक भार का भोज सहना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य में बेहतर राज्य परिवहन सुविधा प्रारंभ कर हर जिले एवं कस्बे तथा गांव को बस सेवा से जोड़कर छत्तीसगढ़ राज्य वासियों को बेहतर सुविधा दिया जा सकता है।

श्री राव ने राज्य के मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि छत्तीसगढ़ राज्य परिवहन निगम का गठित कर छत्तीसगढ़ राज्य वासियों को नई सौगात देने की अति आवश्यकता है।

## वार्ड 21 से 25 के लिए हाउसिंग बोर्ड सूर्यकुण्ड के सामुदायिक भवन में सजा सुशासन तिहार का शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत वैशाली नगर में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने हेतु 19 मई 2026, मंगलवार को वैशाली नगर स्थित हाऊसिंग बोर्ड सूर्यकुण्ड सामुदायिक भवन में जन समस्या निवारण हेतु सुशासन शिविर का आयोजन किया गया है।

इस शिविर में वार्ड क्रमांक 21 कैलाश नगर, 22 कुरुद बस्ती, 23 घासीदास नगर, 24 हाऊसिंग बोर्ड एवं 25 जवाहर नगर हाऊसिंग बोर्ड के नागरिक शामिल होकर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का निराकरण तथा

योजनाओं का लाभ प्राप्त करने आवेदन भी जमा किये हैं।

शिविर में राष्ट्रीय आयुष मिशन, मेडिकल स्वास्थ्य विभाग, एम.एम.यू. चलित स्वास्थ्य शिविर, महिला एवं बाल विकास विभाग, उज्ज्वला योजना, पशुधन विभाग, राशन कार्ड, पेयजल एवं जल कार्य, लोक कर्म विभाग, नामांतरण एवं लीज डीड फ्री-होल्ड, राष्ट्रीय पेंशन योजना, जन स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, समाज कल्याण विभाग, आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग, श्रम विभाग, ई-श्रमिक कार्ड, वन विभाग, पुलिस सहायता केन्द्र तथा जन मित्र योजना सहित विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए।

शिविर में नागरिकों को स्वास्थ्य जांच, दस्तावेज संबंधी मार्गदर्शन, योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्रदान की गई।

निगम प्रशासन द्वारा अधिक से अधिक नागरिकों से शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने एवं अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई थी, संबंधित वार्ड के नागरिकों की उपस्थिति अच्छी रही।

## निगम अमले ने हटायी आंधी तूफान से गिरी पेडों की शाखें

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** भीषण गर्मी के बीच अचानक बदले मौसम और तेज आंधी-तूफान ने शहर में जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के कारण नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के कई स्थानों पर बड़े और छोटे पेड़ सड़कों पर गिर गए, जिससे आवागमन बाधित हो गया। कई मार्गों पर यातायात प्रभावित होने से नागरिकों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आंधी-तूफान के दूसरे दिन नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा और गिरे हुए पेड़ों को हटाने का कार्य शुरू किया। निगम कर्मचारियों द्वारा जेसीबी और अन्य संसाधनों की मदद से सड़कों को साफ कर यातायात बहाल किया गया।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर पेड़ हटाने और मार्गों को सुचारू बनाने का कार्य किया गया, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निगम की त्वरित कार्रवाई से शहर में यातायात व्यवस्था धीरे-धीरे सामान्य हो गई।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

## खास-खबर

### भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को शाला परिसरों में कक्ष उपलब्ध कराने के निर्देश

**रायपुर।** राज्य शासन द्वारा भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के सुचारू संचालन एवं बच्चों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी जिला कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव श्री विकासशील द्वारा 14 मई 2026 को आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में कहा गया है कि शालाओं के युक्तियुक्तकरण उपरांत उपलब्ध रिक्त अथवा अनुपयुक्त कक्ष/भवन का उपयोग भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन हेतु किया जाए। सचिव स्कुल शिक्षा डॉ कमलप्रीत सिंह के द्वारा जारी निर्देश के अनुसार ऐसे आंगनबाड़ी केन्द्र, जिनके पास स्वयं का भवन उपलब्ध नहीं है, उन्हें निकटस्थ स्कूल परिसरों में सह-स्थान के आधार पर संचालित किए जाने हेतु अनुमति प्रदान करना सुनिश्चित किया जाएगा। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों में अध्ययनरत बच्चों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध हो सकेगा, साथ ही शासकीय भवनों एवं उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

### समाधान शिविर में हितग्राहियों को मिले आयुष्मान कार्ड

**रायपुर।** राज्य शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता की समस्याओं का त्वरित निवारण करने और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से सुशासन तिहार 2026 के तहत एक विशेष पहल की गई है। इसके अंतर्गत नगरीय निकाय दंतेवाड़ा द्वारा कतियाररास में समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लेकर विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए और शासन की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी प्राप्त की। शिविर के दौरान आयुष्मान कार्ड के लिए पहले से आवेदन कर चुके पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही कार्ड वितरित किए गए।

### सीएचसी पलारी के लैब में जांच सुचारू रूप से संचालित

**रायपुर।** बलौदा बाजार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी के लैब में मरीजों की विभिन्न जांच पूरी क्षमता के साथ सुचारू रूप से जारी है। पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। पानी की कमी से लैब के जाँच में कुछ असुविधा हुई थी किंतु जांच कार्य प्रभावित नहीं हुआ। वर्तमान में जाँच जारी है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज वर्मा ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण अस्पताल के दो बोर सूख गए हैं तथा एसडीओ हाउसिंग बोर्ड द्वारा कराए गए बोर में भी पानी नहीं है। फिर भी अस्पताल में पानी की कोई कमी नहीं है।नगर पंचायत पलारी द्वारा नियमित रूप से टैंकर के माध्यम से पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही अस्पताल के लिए नया नल कनेक्शन भी लिया गया है, जिससे पानी की निरंतर उपलब्धता बनी हुई है।उन्होंने स्पष्ट किया कि लैब में सभी आवश्यक जांच बिना किसी बाधा के हो रही हैं और मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। अपनी पत्नी की जांच करवाने ग्राम दतान से आए शंकर पटेल ने बताया कि लैब में मलेरिया, टाइफाइड, सीबीसी, सिकलिन तथा एसआर की जांच की गई। विगत एक सप्ताह में अस्पताल की लैब में 1450 लोगों ने अपनी जाँच करवाई है।

# पेयजल की नियमित आपूर्ति और शुद्धता की जांच जरूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्य सचिव विकासशील ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में नियमित जलापूर्ति और पेयजल की शुद्धता की निरंतर जांच कराने के कड़े निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज यहाँ मंत्रालय (महानदी भवन) में श्राज्य जल एवं स्वच्छता मिशनश् की अपेक्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के क्रियान्वयन की कार्ययोजना, पीएम जनमन कार्यक्रम के तहत पीवीटीजी बसाहटों में पेयजल व्यवस्था, आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण, जनभागीदारी, जल संरक्षण तथा श्सुजलम भारतश् डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, भू-जल के विवेकपूर्ण उपयोग और जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए श्जल अर्पणश् की नई पहल पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य सचिव ने कहा कि विभिन्न गांवों और बसाहटों में पानी की टंकियां तथा नल लगाने का काम पूरा होने के बाद अब सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नियमित जलापूर्ति और पानी की गुणवत्ता बनाए रखना है। ग्राम पंचायतों को नल-जल योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए गठित समितियों में महिलाओं की भागीदारी को अनिवार्य किया गया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को ग्राम पंचायतों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर सहयोग करने के निर्देश दिए। नल-जल योजनाओं की निरंतर और प्रभावी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सीधे जिला कलेक्टरों की होगी। इसके अलावा, उन्होंने एलडब्ल्यूई (नक्सल) प्रभावित एवं दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि वर्ष 2028 की समय-सीमा से पहले छत्तीसगढ़ के शत-प्रतिशत ग्रामीण घरों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाई जाए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव शहला निगार, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया, वित्त विभाग के सचिव रोहित यादव, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, इसके साथ ही भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में वर्चुअली व प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहे।

### वर्ष 2028 तक हर ग्रामीण घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य

### सिंगल विलेज और बल्क वॉटर स्कीम की प्रगति

बैठक में अधिकारियों ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत रिफॉर्म प्लान की प्रगति की जानकारी दी। सिंगल विलेज स्कीम के तहत इस विकेंद्रीकृत योजना के तहत गांवों में ही उपलब्ध जल स्रोतों का उपयोग कर पाइपलाइन के जरिए हर घर में नल कनेक्शन दिया जाता है। राज्य के विभिन्न गांवों में ऐसी 29 हजार 90 योजनाएं बनाई गई हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों, शहरों या कई गांवों के समूहों तक भारी मात्रा में शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए 70 योजनाएं संचालित हैं, जिनमें पानी को दूरस्थ स्रोतों से लाकर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में शुद्ध किया जाता है। पीएम जनमन कार्यक्रम के तहत पीवीटीजी बसाहटों में पेयजल व्यवस्था के तहत 1,531 गांवों के अंतर्गत आने वाले (20 परिवारों से कम वाली) करीब 920 बसाहटों और एलडब्ल्यूई क्षेत्रों के छूटे हुए परिवारों के लिए विशेष कार्ययोजना पर काम जारी है।

### वित्तीय पारदर्शिता और डिजिटल ट्रैकिंग के कड़े निर्देश

मुख्य सचिव ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत गाइडलाइंस के अनुरूप पूर्ण वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड का उपयोग केवल स्वीकृत मदों में ही किया जाए। पानी की सप्लाई चौन में किसी भी प्रकार की खराबी को तुरंत सुधारने के लिए उन्होंने सुजलम भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म और पीएम गति शक्ति ऐप के माध्यम से रियल-टाइम ट्रैकिंग करने के निर्देश दिए।

# लाल आतंक से विकास की ओर बढ़ता दारेली

## चार दशक बाद पहली बार गांव पहुंचा प्रशासन, जनगणना कार्य संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लंबे समय तक नक्सली प्रभाव और भय के कारण विकास की मुख्यधारा से कटा रहा बीजापुर जिले का दारेली गांव, अब बदलाव और विश्वास की नई इबारत लिख रहा है। पिछले चार दशकों से इस क्षेत्र में कोई भी प्रशासनिक गतिविधि नहीं हो पाई थी, यहाँ तक कि वर्ष 2011 की राष्ट्रीय जनगणना से भी यह गांव वंचित रह गया था, लेकिन अब इतिहास बदलते हुए पहली बार जिला प्रशासन की टीम सीधे दारेली गांव पहुंची और वहां सुचारू रूप से जनगणना का कार्य संपन्न कराया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अब उन सुदूरवर्ती गांवों तक पहुंच रही हैं, जहां पहले विकास की कल्पना करना भी बेहद कठिन था।

इसी कड़ी में कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, जनगणना प्रभारी अधिकारी मुकेश देवांगन तथा उसूर एसडीएम श्री भूपेंद्र गावरे ने दारेली गांव का सघन दौरा किया। प्रशासनिक अधिकारियों को अपने बीच पाकर ग्रामीणों ने उनका आत्मीय और भावुक स्वागत किया। ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज उन्हें पहली बार यह महसूस हुआ है कि शासन-प्रशासन उनके द्वार तक पहुंचा है। इस दौरान गांव में हुए जनगणना कार्य को ग्रामीणों ने एक ऐतिहासिक और सुखद पहल बताया।

कलेक्टर बीजापुर ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और जमीन के पट्टे, आधार कार्ड, बैंक खाते तथा राशन कार्ड जैसे अनिवार्य दस्तावेजों की उपलब्धता की समीक्षा की। कई ग्रामीणों के दस्तावेज अपूर्ण पाए जाने पर उन्होंने मातहत अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में विशेष शिविर का आयोजन किया जाए, ताकि सभी पात्र ग्रामीणों का शत-प्रतिशत सैचुरेशन (दस्तावेजीकरण) सुनिश्चित हो सके।

भ्रमण के दौरान एक स्थानीय किसान ने कलेक्टर को अपनी व्यथा सुनाई कि उसके पिता के निधन के बाद भी लंबे समय से जमीन का नामांतरण नहीं हो पाया है। इस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर ने मौके पर ही मौजूद राजस्व अधिकारियों को नामांतरण प्रक्रिया तुरंत पूरी करने के कड़े निर्देश दिए और कहा कि वे स्वयं इस मामले की निगरानी करेंगे। प्रशासन की इस त्वरित कार्यप्रणाली को देखकर किसान भावुक हो गया और उसने अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

### जनकल्याणकारी योजनाओं और छात्रवृत्ति की घोषणा

कलेक्टर ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शासन की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत दारेली के सभी स्कूली बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के भी निर्देश दिए। जो दारेली गांव कभी भय, उपेक्षा और सन्नाटे का प्रतीक माना जाता था, वह आज विकास, आपसी विश्वास और नई उम्मीदों की राह पर कदम बढ़ा चुका है। प्रशासन की इस संवेदनशील पहल ने ग्रामीणों के भीतर शासन के प्रति भरोसे को और अधिक मजबूत किया है।

# असाक्षरों की पहचान हेतु व्यापक सर्वे अभियान चलाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत नव भारत साक्षरता कार्यक्रम **("Understanding of Lifelong Learning for All in Society (ULLAS)"** के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य शासन द्वारा व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वयस्क नागरिकों को सशक्त बनाना है, जिन्होंने औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है। योजना के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के साथ-साथ जीवन कौशल, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, व्यावसायिक कौशल तथा बुनियादी शिक्षा का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। शासन ने उल्लास कार्यक्रम को विकसित भारत निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

राज्य शासन द्वारा निर्देशित में कहा गया है कि असाक्षर व्यक्तियों की पहचान के लिए युद्धस्तर पर घर-घर सर्वेक्षण अभियान संचालित किया जाए। इसके लिए प्रत्येक ग्राम, पारा, टोला एवं मोहल्ला स्तर पर ग्राम प्रभारी अथवा वार्ड प्रभारी के नेतृत्व में 10 से 15 सदस्यीय टीम गठित की जाएगी। इन टीमों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी, एनसीसी एवं एनएसएस के सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्थानीय बेरोजगार युवक-युवतियां तथा अन्य शासकीय एवं अशासकीय सदस्य शामिल किए जाएंगे।

निर्देशानुसार सर्वेक्षण कार्य निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से पूर्ण किए जाने के पश्चात् उल्लास मोबाइल एप के जरिए स्वयंसेवी शिक्षकों एवं असाक्षरों का चिन्हांकन एवं ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पारा, टोला एवं मोहल्ला स्तर पर 8 से 10 असाक्षरों के लिए एक साक्षरता केन्द्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। यथासंभव विद्यालयों को ही साक्षरता केन्द्र के रूप में चिन्हांकित किया जाएगा।

# जहाँ राशन और जरूरतों के लिए भी तय करना पड़ता है 40 किलोमीटर का सफर, वहाँ पहुँची उपचार की दस्तक

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक बार फिर यह साबित किया कि संवेदनशील शासन केवल योजनाएँ नहीं बनाता, बल्कि उन अंतिम बस्तियों तक भी पहुँचता है जहाँ आज भी जीवन बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर बीजापुर जिले के पोंडुम की स्वास्थ्य टीम ने दुर्गम आश्रित ग्राम हकवा पहुँचकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित हकवा तक पहुँचना आसान नहीं है। ऊँचे पहाड़, घने जंगल और कठिन पगडंडियों से होकर गुजरने वाले इस गाँव में आज भी सड़क, बिजली और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

हकवा के ग्रामीणों की परिस्थितियाँ इस कदर चुनौतीपूर्ण हैं कि उन्हें दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएँ और राशन लेने के लिए भी लगभग 40 किलोमीटर पैदल चलकर पोंडुम पहुँचना पड़ता है। ऐसे दुर्गम और संसाधनविहीन क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम का पहुँचना ग्रामीणों के लिए केवल उपचार नहीं, बल्कि भरोसे और संवेदनशीलता की बड़ी मिसाल बन गया। स्वास्थ्य शिविर के दौरान कुल 50 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 5 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच की गई, 2 मरीजों में मलेरिया की पहचान हुई तथा 3 ग्रामीणों की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। इसके अतिरिक्त अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित 40 ग्रामीणों को उपचार एवं आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। दूरस्थ और पहुँचविहीन बस्तियों तक पहुँचती यह स्वास्थ्य सेवा केवल चिकित्सा सुविधा नहीं, बल्कि शासन की मानवीय प्रतिबद्धता और बस्तर के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य अधिकार सुनिश्चित करने के संकल्प की जीवंत तस्वीर बनती जा रही है।

# वन मंत्री केदार कश्यप ने विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीण विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। इसी क्रम में वन मंत्री केदार कश्यप ने मर्दापाल क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 1 करोड़ 2 लाख रूपए की लागत के 9 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया और पंचायत भवन जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और गांवों के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

ग्राम सोनाबाल में आयोजित कार्यक्रम में 20 लाख रूपए की लागत से पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। साथ ही नगरी के मंडली भवन से पनवाड़ी तालाब तक 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य, जिसकी लागत 9 लाख रूपए है, का भी शुभारंभ किया गया। ग्राम पंचायत खण्डाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 3 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (9 लाख रूपए), पंचायत भवन निर्माण कार्य (20 लाख रूपए) तथा ग्राम पंचायत बोरगांव के लोहारपारा में 1.5 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (4 लाख 50 हजार रूपए) का भूमिपूजन किया गया।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत खचगांव में 20 लाख रूपए की लागत से पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इसके अलावा पूरन बघेल के खेत के पास 1.5 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (4 लाख 50 हजार रूपए), आश्रित ग्राम ढोलमंदरी में तातरी बादे घर के पास 2 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (6 लाख रूपए) तथा ग्राम पंचायत पोलंग के मुख्य मार्ग से टेमरूमुण्डा मार्ग के बीच चंदन खेत के पास 3 मीटर स्पॉन पुलिया निर्माण कार्य (9 लाख रूपए) का भी भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनिता कोर्राम सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# विधानसभा को 'पेपरलेस' करने के कार्यों में आएगी तेजी

## लोक निर्माण विभाग के सचिव ने विधानसभा भवन का किया निरीक्षण, पर्याप्त पार्किंग के साथ सर्वसुविधायुक्त ड्राइवर-रूम बनाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने नवा रायपुर में निर्माणाधीन लोकभवन (राजभवन) के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण कर ले-आउट और फ्लोर-प्लान जाना। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। बंसल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने विधानसभा को 'पेपरलेस' बनाने के लिए तकनीकी कार्यों और व्यवस्थाओं में तेजी लाने लोक निर्माण विभाग और चिप्स को बेहतर समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने 'लोकभवन' का निर्माण राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप उत्कृष्टता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरे परिसर के सौंदर्य, सूरज की रोशनी और पूर्ण उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने को कहा। उन्होंने भवन की सभी बारीकियों पर पुख्ता काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रमों के आयोजन के लिए यहां बन रहे सभा-भवनों और कार्यालयीन कक्षों की बैठक व्यवस्था पहले से ही निर्धारित कर उनके अनुरूप कार्यों को अंजाम देने को कहा। उन्होंने भवन के निर्माण कार्य में लगे अलग-अलग एजेंसियों से कार्य प्रगति की जानकारी लेकर यथाशीघ्र सभी कार्य पूर्ण कर इसे लोक निर्माण विभाग को हैंड-ओवर करने को कहा।

लोक निर्माण विभाग के सचिव बंसल ने नए विधानसभा भवन में प्रवेश द्वार, सदन, अधिकारी दीर्घा, लॉबी, डाइनिंग एरिया, मीडिया ब्रीफिंग एरिया, समिति कक्ष, मुख्यमंत्री कार्यालय, विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय, उप मुख्यमंत्रियों तथा मंत्रियों के कार्यालयों, ऑफिसर लाउंज और मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों के कार्यालयों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने सभी कार्यालयीन कक्षों में समुचित फर्नीचर और बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नए भवन में वर्तमान व्यवस्था की कमियों और खामियों को आगामी मानसून सत्र के पहले दूर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए

विभागीय सचिव ने विधानसभा को 'पेपरलेस' करने तकनीकी व्यवस्थाओं को तेजी से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और चिप्स के अधिकारियों के साथ इसके लिए जरूरी इंतजामों, उपकरणों, हार्डवेयर्स और सॉफ्टवेयर्स की भी समीक्षा की।

उन्होंने बेहतर समन्वय और तेजी से काम करते हुए इस साल के शीतकालीन सत्र तक सभी तकनीकी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर पखवाड़े इसकी प्रगति की समीक्षा करने भी कहा।

श्री बंसल ने विधानसभा परिसर में गाड़ियों के पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था के साथ वाहन चालकों के लिए सर्वसुविधायुक्त कक्ष भी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने विधानसभा भवन के प्रवेश द्वार क्रमांक-3 में पास-काउंटर के पास आगंतुकों के लिए बनने वाले प्रतीक्षालय कक्ष के साथ ही विधानसभा ड्यूटी करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए कैन्टीन बनाने का भी सुझाव दिया।

# 40 की उम्र में बला की हसीन हैं नुसरत भरुचा हर एक लुक में एक्ट्रेस ढाती हैं कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं। 40 की उम्र में भी नुसरत भरुचा अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक्स से फैंस का दिल जीत रही हैं। हर आउटफिट में उनका कॉन्फिडेंस और एलीगेंस देखने लायक है, जहां वह अपने हर लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा देती हैं।

नुसरत भरूचा का जन्म 17 मई 1985 में मुंबई में हुआ था। नुसरत भरूचा ने अपने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। वो पहली बार टीवी शो किटी पार्टी में दिखाई दी थीं। इसके बाद नुसरत भरूचा ने साल 2006 में फिल्म जय संतोषी मां से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद वो 2009 में फिल्म कल किसने देखा है में दिखाई दीं। दोनों फिल्में कुछ खास नहीं कर सकीं।

फिर साल 2011 में आई फिल्म प्यार का पंचनामा ने एक्ट्रेस को पॉपुलर कर दिया। फिल्म में कार्तिक आर्यन और नुसरत की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस फिल्म के बाद नुसरत भरूचा को लोग पसंद करने लगे।

साल 2015 में, वो फिल्म प्यार का पंचनामा 2 में में भी नजर आईं, लेकिन साल 2018 में, उनके करियर ने एक बड़ा मोड़ लिया। साल 2018 में नुसरत भरूचा फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी में नजर आईं थीं। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन और सनी सिंह जैसे कलाकार थे।

ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट थी। फिल्म में उन्होंने स्वीटी का रोल निभा कर अपने अभिनय का लोहा मनवाया। इसके बाद एक्ट्रेस ड्रीम गर्ल, छोरी, सेल्फी, राम सेतु जैसी फिल्मों में दिखाई दी। हर एक फिल्म में नुसरत का अलग अंदाज देखने को मिला। बता दें, बड़े पर्दे पर एक्ट्रेस ने कई ग्लैमरस रोल निभाए हैं।

वहीं ये हसीना रियल लाइफ में भी बेहद ही ,स्टाइलिश और ग्लैमरस है। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस आए दिन अपनी दिलकश फोटोज शेयर करती रहती हैं। जिसके लोग दिवाने नजर आते हैं। चाहे वेस्टर्न हो या एथनिक नुसरत हर एक लुक से बिजलियां गिराती हैं। 40 की उम्र में भी एक्ट्रेस अपने लुक्स से लोगों का दिल जीत लेती हैं।

बता दें, नुसरत को इंस्टाग्राम पर 6.4 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। फैंस उनके हर एक ग्लैमरस लुक्स को देखने के लिए बेताब रहते हैं।

## वेलकम टू द जंगल का टाइटल ट्रैक जारी धमाचौकड़ी मचाने आई अक्षय और उनकी टोली

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकलीन, रवीना टंडन सहित कई चर्चित सितारों से सजी फिल्म वेलकम टू द जंगल बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इतने सारे सितारे जहां होंगे, वहां एंटरटेनमेंट का तगड़ा डोज मिलना पक्का है। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो चुका है और काफी धमाकेदार है।

फिल्म वेलकम टू द जंगल का गाना आया है। इसमें एक्शन भी है, इमोशन भी हैं और भरपूर कॉमेडी का डोज है। जंगल का इलाका है और अक्षय कुमार अपनी टोली के साथ वहां मौजूद हैं। जंगल में एक से बढ़कर एक चैलेंज सामने आते हैं। पूरी टोली सर्वाइव करती है। साथ में मस्ती भी भरपूर होती है। इस टाइटल ट्रैक के जरिए यह बात कंफर्म हो चुकी है कि अक्षय कुमार का फिल्म में डबल रोल है।

अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह गाना साझा किया है। उन्होंने इसके साथ कैप्शन लिखा है, इस जंगल में अब दहाड़ भी होगी और शोर भी होगा। फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह फिल्म बॉलीवुड की पॉपुलर वेलकम फ्रेंचाईजी की तीसरी किस्त है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, जैकी श्रॉफ, पेरश रावल, राजपाल यादव, रवीना टंडन और कीकू शारदा सहित कई चर्चित सितारे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म के गाने की बात करें तो गाने की तो इसे संगीतकार जोड़ी साजिद-वाजिद ने कंपोज किया है। इस गाने को रीक्रिएट संस्करण के साथ जारी किया गया है। पहले की तरह इस बार भी आवाज शान ने दी है।

## राइस कुकर में सही तरीके से खाना पकाने के लिए अपनाएं ये 5 सरल सुझाव

*राइस कुकर एक उपयोगी उपकरण है, जो चावल को सही तरीके से और जल्दी पकाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप सोचते हैं कि राइस कुकर केवल चावल पकाने के लिए होता है तो आपको बता दें कि आप इससे पुलाव, खिचड़ी, दलिया, दाल और यहां तक कि केक भी बना सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप राइस कुकर में हर बार सही तरीके से खाना पका सकते हैं।*

### पानी का सही अनुपात रखें

राइस कुकर में खाना पकाने के लिए सही मात्रा में पानी का उपयोग करना बहुत जरूरी है। अगर आप चावल बना रहे हैं तो आमतौर पर एक कप चावल के लिए 2 कप पानी का उपयोग करना चाहिए। पुलाव या खिचड़ी के लिए भी इसी अनुपात का पालन करें। दाल और दलिया के लिए 1:3 का अनुपात सही रहता है। इससे आपका खाना न तो कच्चा रहेगा और न ही ज्यादा गीला होगा।

### समय का ध्यान रखें

राइस कुकर में खाना पकाने का समय भी बहुत अहम होता है। आमतौर पर चावल पकाने में 20-25 मिनट लगते हैं, जबकि पुलाव और खिचड़ी को पकाने में 30-40 मिनट का समय लगता है। दाल और दलिया को पकाने में भी लगभग इसी समय की जरूरत होती है। अगर आप केक बना रहे हैं तो इसे 50-60 मिनट तक पकाएं। सही समय पर खाना पकाने से आपका खाना न तो अधपका होगा और न ही ज्यादा पका हुआ।

### उपकरण को सही तरीके से भरें

राइस कुकर के बर्तन को सही तरीके से भरना भी जरूरी है। इसे ज्यादा भरने से खाना उबलकर बाहर आ सकता है, इसलिए इसे आधा या 3/4 तक ही भरें। इससे खाना अच्छे से पकेगा और बाहर नहीं आएगा। इसके अलावा राइस कुकर के अंदर रखी प्लेट को हमेशा हल्का-सा घुमाकर रखें, ताकि भाप निकल सके और खाना अच्छे से पक सके। इससे आपका खाना हर बार सही तरीके से बनेगा।

### सब्जियों को पहले से तैयार करें

अगर आप पुलाव या खिचड़ी बना रहे हैं तो सब्जियों को पहले से काटकर तैयार कर लें। इससे खाना पकाने का समय कम होगा और आपका खाना लजीज बनेगा। सब्जियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर राइस कुकर में डालें और फिर ऊपर से चावल डालें। इसके बाद जरूरी मसाले और पानी मिलाएं। इससे आपका पुलाव और खिचड़ी एकसार बनेगा और स्वादिष्ट भी लगेगा। इस तरह आप अपने राइस कुकर का सही उपयोग कर सकते हैं।

### साफ-सफाई पर ध्यान दें

राइस कुकर की नियमित सफाई करना बहुत जरूरी है, ताकि इसमें कीटाणु न पनप सकें। इस्तेमाल करने के बाद इसे धोकर सुखाएं और समय-समय पर इसकी सफाई करें। इन सरल सुझावों की मदद से आप अपने राइस कुकर में हर बार बेहतरीन खाना बना सकते हैं। इनका पालन करके न केवल आपका खाना स्वादिष्ट बनेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि आपका राइस कुकर लंबे समय तक सही तरीके से काम कर रहा है।

## करुप्पू ने 100 करोड़ के क्लब में मारी एंट्री, 3 दिन में बनाए चार रिकॉर्ड, बनी 2026 की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म

सूर्या की एक्शन ड्रामा फिल्म करुप्पू रिलीज होते ही छा गई है। फिल्म की सोशल मीडिया पर लोगों और क्रिटिक्स ने काफी तारीफ की। साथ ही बॉक्स ऑफिस पर भी इसका जलवा देखने के लिए मिला। फिल्म की रिलीज को तीन दिन हुआ है और इसने ओपनिंग वीकेंड पर एक दो नहीं बल्कि चार रिकॉर्ड बना दिए हैं। ये फिल्म 2026 की तमिल की हाईएस्ट ग्रॉसर मूवी बन चुकी है। ऐसे में चलिए बताते हैं कि इसकी वर्ल्डवाइड कमाई और रिकॉर्ड्स।

सूर्या की फिल्म करुप्पू ने 3 दिनों में ही 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मार ली है लेकिन वर्ल्डवाइड. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने पहले दो दिनों में 74 करोड़ का बिजनेस किया था, जिसके बाद फिल्म को संडे की छुट्टी का फायदा मिला और इसकी कमाई वर्ल्डवाइड 100 करोड़ के पार पहुंच गई है।

इसके साथ ही अगर फिल्म के इंडिया कलेक्शन के बारे में बात की जाए तो सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 15.50 करोड़, दूसरे दिन 24.15 करोड़ और तीसरे दिन रविवार को 28.35 करोड़ का बिजनेस किया, जिसके बाद इसका इंडिया नेट कलेक्शन 68 करोड़ हो चुका है, जिसमें फिल्म ने तमिल में 57.70 करोड़ और 10.30 करोड़ का बिजनेस किया।

इतना ही नहीं, करुप्पू ने बॉक्स ऑफिस पर एक और रिकॉर्ड सेट किया। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म का दो दिनों ग्रॉस कलेक्शन 74 करोड़ था। वहीं रविवार को बंपर उछाल मिली और फिल्म वर्ल्डवाइड 120.75 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। इसके साथ ही ये कोविड के बाद सूर्या की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन चुकी है। सैकनिल्क के अनुसार, इसके पहले उनकी फिल्म कंगुवा ने 106 करोड़ वर्ल्डवाइड बिजनेस किया था।

इसके साथ ही करुप्पू ने साल 2026 की टॉप 5 हाईएस्ट ग्रॉसिंग तमिल फिल्मों को भी पछाड़ दिया है और ये अब 2026 की तमिल की हाईएस्ट ग्रॉसर फिल्म बन चुकी है। जबकि दो दिनों की कमाई में ये 2026 चौथी तमिल की हाईएस्ट ग्रॉसर बन गई थी। लेकिन अब इसने पराशक्ति (84.75 करोड़ वर्ल्डवाइड) को पीछे छोड़ते हुए नंबर पर कब्जा कर लिया है।

इतना ही नहीं, सूर्या की फिल्म करुप्पू ने इंडिया में भी कमाल कर दिया है। महज दो भाषाओं तमिल और तेलुगु में रिलीज के बाद भी फिल्म ने इंडिया में ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन में 50 करोड़ के क्लब में एंट्री मार ली है। रविवार के के कलेक्शन के बाद फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 68 करोड़ हो चुका है।

## पति पत्नी और वो दो ने तीसरे दिन की छप्परफाड़ कमाई, आखिरी सवाल का कैसा हाल?

आयुष्मान खुराना की रोमांटिक कॉमेडी पति पत्नी और वो दो ने बॉक्स ऑफिस पर 3 दिन पूरे कर लिए हैं। शुरुआत में ठीक-ठाक कारोबार करने के बाद इसने तीसरे दिन तहलका मचा दिया है। फिल्म ने बंपर कारोबार करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। दूसरी ओर, संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल भी सिनेमाघरों में 3 दिन पूरे कर चुकी है और इसकी ताजा कमाई के आंकड़े अब आ चुके हैं। आइए जानते हैं दोनों फिल्मों की कमाई।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 4 करोड़ रुपये से खाता खोला था। दूसरे दिन इसने 5.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। तीसरे दिन, यानी रविवार को ऊंची छलांग लगाते हुए 7.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 17.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन में फिल्म 24.25 करोड़ रुपये कमा चुकी है। फिल्म में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य किरदार में हैं। उधर आखिरी सवाल भी बॉक्स ऑफिस पर 3 दिन पूरे कर चुकी है। इसने महज 40 लाख रुपये से खाता खोला था, जबकि दूसरे दिन 75 लाख कमाए। तीसरे दिन इसने 80 लाख रुपये कमाए और अब तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 1.95 करोड़ रुपये बटोर पाई है।

## अगर पेड़ वाईफाई देते ना, तो इंसान उन्हें रिचार्ज प्लान समझकर बचा के रखतेः शहनाज़ गिल

एक्ट्रेस शहनाज़ गिल ने हाल ही में ट्री प्लांटेशन ड्राइव को सिर्फइवेंट नहीं, इमोशन बना दिया। उन्होंने अपने दादा प्यारा सिंह की याद में एक पौधा लगाया और इस छोटे से कदम में ढेर सारी मोहब्बत छुपी थी। दिल से बात करते हुए शहनाज़ ने ऐसा डायलॉग मारा जो सीधा दिल और दिमाग दोनों में सेव हो गया:

अगर पेड़ वाईफाई दे रहा होता ना, तो कोई उसे काटता ही नहीं! लेकिन पेड़ ऑक्सीजन दे रहा है, इसलिए सबको प्रॉब्लम है। फल खाओ, मजे से खाओ पर जड़ मत काटो। सुनो जी, ध्यान रखो - पेड़ लगाओ, बहुत जरूरी है! और घरवालों को भी बोलो जो दिनभर पड़ोसियों के साथ गॉसिप सम्मेलन' करते हैं, वो मिलकर पेड़ लगाएं।

अपना आस-पास ठीक करो, एनवायरनमेंट खुद ही सेट हो जाएगा! अपनी सिग्नेचर देसी सच्चाई और फुल-ऑन रियल वाइब के साथ, शहनाज़ ने वो सच्चाई बोल दी जो हम सब जानते हैं पर इग्नोर करते हैं। ऑक्सीजन फ्री है, इसलिए उसकी वैल्यू नहीं समझते ये सीधा ताना भी था और मीठा रिमाइंडर भी।

उनकी बातों और इस प्यारे ट्रिब्यूट ने इस ड्राइव को सिर्फ पेड़ लगाने का प्रोग्राम' नहीं रहने दिया, बल्कि एक ऐसा मैसेज बना दिया जो घर-घर तक पहुंचना चाहिए — बदलाव बड़ी स्पीच से नहीं, छोटे-छोटे कामों से शुरू होता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो शहनाज़ गिल जल्द ही इश्कनामा में नजर आने वाली हैं — और फैंस का एक्साइटमेंट तो पहले से ही फुल चार्ज है!

## खास खबर

### नशामुक्त समाज और स्वस्थ जीवन की दिशा में संवेदनशील पहल

**रायपुर।** राज्य शासन की जनकल्याणकारी सोच के अनुरूप समाज के संवेदनशील वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से जिला जशपुर में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के तहत जिला अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने नशामुक्ति केंद्र तथा सियान गुड़ी पहुंचकर वहां रह रहे हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक जांच की। शिविर के दौरान चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर सहित विभिन्न आवश्यक परीक्षण किए गए। साथ ही हितग्राहियों को चिकित्सकीय परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन एवं आवश्यक स्वास्थ्य सलाह प्रदान की गई। कार्यक्रम में मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा सामाजिक पुनर्वास की दिशा में भी मार्गदर्शन दिया। सियान गुड़ी में वरिष्ठ नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, समय पर दवा सेवन एवं सक्रिय दिनचर्या बनाए रखने संबंधी जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे संयुक्त प्रयासों से जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत हो रही है तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है।

### महादेव मंदिर प्रांगण के बरगद छाँव में हुआ सुशासन शिविर

**सारंगढ़ बिलाईगढ़।** सुशासन तिहार शिविर जिले के विकासखंड बरमकेला के ग्राम पंचायत कान्दुरपाली के आश्रित ग्राम पुजेरीपाली केवटीन देऊल स्वयंभू महादेव मंदिर प्रांगण के 2 विशाल बरगद पेड़ के नीचे सुशासन तिहार जनसमस्या निवारण शिविर जनविश्वास का सशक्त केंद्र बनकर उभरा। शिविर में कान्दुरपाली क्लस्टर अंतर्गत 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण पुरुष सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचे और अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों को प्रशासन के समक्ष रखा। शिविर में कुल 615 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व 60, खाद्य 75, समाज कल्याण 60, पीएम आवास 50, मनरेगा 20, शिक्षा 1, पशु विभाग 4, कृषि 3 एवं अन्य से संबंधित आवेदन शामिल रहे। विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू और नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, सहित प्रदीप सतपथी आदि अतिथियों ने मछली जाल, आय प्रमाण पत्र, बी 1, किसान पुस्तिका, टीकाकरण आदि वितरित किया। अधिकारियों ने कई मामलों में मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया प्रारंभ की, जबकि शेष आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने प्रत्येक विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर आवेदन व हितग्राहियों को मिल रहे लाभों की जानकारी ली।

# जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना, शासन का उद्देश्यः मंत्री दयालदास बघेल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले के प्रतापपुर जनपद पंचायत के ग्राम चंदौरा में जनसमस्या निवारण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता सूरजपुर जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल ने की, जबकि छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं। शिविर में कुल 319 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 114 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। ग्रामवासियों को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन का




संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित शिविरों का लाभ उठाएं।

उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शासन ने पारदर्शिता के साथ धान खरीदी की है तथा किसानों को राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया है।

राज्य के जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों को नियमित रूप से खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्होंने किसानों से मिट्टी परीक्षण कराने एवं शासन की योजनाओं के तहत खाद-बीज प्राप्त करने की अपील की। प्रभारी मंत्री बघेल ने आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से शैला एवं कर्मा दलों को 20-20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। साथ ही ग्राम चंदौरा में 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति की भी घोषणा की, जिसका लाभ क्षेत्रवासियों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में मिलेगा। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने अपने सम्बोधन में कहा कि सुशासन तिहार शासन एवं प्रशासन के मध्य जनसंपर्क का एक प्रभावी माध्यम है।

इन शिविरों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

### योजनाओं की विस्तृत जानकारी

प्रभारी मंत्री ने कहा कि कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृतियां प्रदान की जा रही हैं। फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा अथवा फसल हानि की स्थिति में किसानों को राहत प्रदान करने की समुचित व्यवस्था की गई है। महतारी वंदन योजना की राशि के सुचारु भुगतान हेतु उन्होंने समस्त हितग्राहियों से अनिवार्य रूप से केवाईसी कराने की अपील की। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति का लाभ लेने का आह्वान करते हुए हर घर तक पेयजल पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। रोजगार सृजन के संदर्भ में उन्होंने बताया कि जी राम जी योजना के माध्यम से विभिन्न निर्माण कार्यों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं।

# धमतरी से देशभर तक बनेगा रोजगार का सेतु

## युवाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक आजीविका के लिए जिला प्रशासन की बड़ी पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीगसढ के धमतरी जिले के युवाओं को रोजगार एवं आजीविका के बेहतर और सुरक्षित अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिले के युवाओं, तकनीकी रूप से प्रशिक्षित अभ्यर्थियों तथा अर्धकुशल श्रमिकों को सम्मानजनक और कौशल आधारित रोजगार दिलाने के लिए आज जिला प्रशासन और आमधाने प्राइवेट लिमिटेड के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन युवाओं को स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अवसरों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह एमओयू धमतरी के युवाओं के लिए देशभर में रोजगार का एक मजबूत सेतु साबित होगा। इस समझौते के तहत जिले



के बेरोजगार युवाओं, आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों, डिप्लोमा धारकों के साथ-साथ ब्लू-कॉलर और ग्रे-कॉलर श्रमिकों को देश के विभिन्न राज्यों में रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। मुख्य रूप से लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग, मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण), निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर,रिटेल एवं ई-कॉमर्स, ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल (कपड़ा उद्योग) सेक्टर्स में संभावनाओं का विस्तार किया जाएगा।

इस पहल को धरातल पर उतारने के लिए दोनों पक्षों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ?जिला प्रशासन द्वारा रोजगार शिविरों, काउंसलिंग सत्रों और जॉब ड्राइव के लिए प्रशासनिक सहयोग व स्थल उपलब्ध कराया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, डिप्लोमा कॉलेजों और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से युवाओं को जोड़ा जाएगा। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक जानकारी पहुंचाने के लिए पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसी तरह ?आमधाने प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा पंजीयन शिविरों का आयोजन, अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग व कौशल आधारित चयन किया जाएगा। इसके साथ ही चयनित युवाओं को काम पर भेजने से पहले प्री-डिपार्चर ओरिएंटेशन (आवश्यक मार्गदर्शन) दिया जाएगा।

यह समझौता पूरी तरह से गैर-व्यावसायिक आधार पर किया गया है। रोजगार प्रक्रिया के किसी भी चरण में अभ्यर्थियों से कोई शुल्क या कमीशन नहीं लिया जाएगा। जिला प्रशासन और कंपनी के बीच भी कोई वित्तीय लेन-देन नहीं होगा। कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि सभी नियुक्तियां वैध, सुरक्षित और श्रम कानूनों के दायरे में हों। साथ ही, युवाओं की सुविधा के लिए पोस्ट-प्लेसमेंट सहायता और शिकायत निवारण तंत्र भी बनाया जाएगा। फिलहाल इस एमओयू की अवधि एक वर्ष निर्धारित की गई है, जिसे दोनों पक्षों की आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। जिला प्रशासन को उम्मीद है कि इस साझेदारी से जिले में रोजगारोन्मुखी माहौल तैयार होगा और युवाओं के जीवन स्तर में बड़ा सकारात्मक बदलाव आएगा।

# सुशासन तिहार बना आजीविका का सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुंगेली जिले में आयोजित सुशासन तिहार जरूरतमंद हितग्राहियों के लिए राहत और भरोसे का माध्यम बनता जा रहा है। समाधान शिविर के माध्यम से जिले में विभिन्न विभागों द्वारा आमजनों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में शासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो रहा है तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक तेजी से पहुंच रहा है।

इसी कड़ी में विकासखंड पथरिया के ग्राम पंचायत गंगद्वारी में आयोजित समाधान शिविर में शिवशक्ति महिला स्व-सहायता समूह घुठेली की सचिव श्रीमती मीना राजपूत को मत्स्य महाजाल प्रदान कर तत्काल लाभान्वित किया गया।

श्रीमती मीना राजपूत ने शिविर में मछली बीज एवं जाल उपलब्ध कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उन्हें तत्काल मत्स्य महाजाल उपलब्ध कराया गया। साथ ही विभागीय 50 प्रतिशत अंगुलिका संचयन योजना के अंतर्गत जुलाई-अगस्त 2026 में शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र चालान विकासखंड मुंगेली से अनुदान पर मत्स्य बीज प्राप्त करने की जानकारी भी दी गई।

मत्स्य महाजाल प्राप्त होने पर मीना राजपूत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे समूह की आजीविका को नई मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ, जिससे शासन की संवेदनशीलता और जनहितकारी सोच का अनुभव हुआ।

उन्होंने मुख्यमंत्री साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

# बोर्ड टॉपर संध्या नायक का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी रायगढ़ में अघरिया समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल (कक्षा 10वीं) बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा संध्या नायक को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने संध्या नायक की इस उपलब्धि को समाज और प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा और उनकी सफलता नए छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है। संध्या नायक ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन से यह सिद्ध किया है कि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी भी बड़े लक्ष्य



हासिल कर सकते हैं।

कार्यक्रम में चौधरी ने अघरिया समाज की स्मारिका अघरिया बंधु का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रकाशन समाज की परंपराओं, संस्कृति, उपलब्धियों और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

# जनजातीय गरिमा उत्सव अभियान से दूरस्थ अंचलों तक पहुंच रहीं शासकीय सेवाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** जनजातीय अंचलों तक शासन की योजनाओं और सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सूरजपुर जिले में जनजातीय गरिमा उत्सव एवं जनभागीदारी अभियान सबसे दूर, सबसे पहले के तहत व्यापक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत विभिन्न विकासखण्डों में क्लस्टर स्तरीय शिविर, ग्राम संपर्क कार्यक्रम, पद यात्राएं एवं जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है।

पीएम-जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत चयनित ग्रामों तथा आदि सेवा केंद्रों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान अधिकारियों, आदि कर्मयोगियों और गैर शासकीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने गांवों में




पैदल भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। ग्राम भ्रमण के दौरान गांवों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन करते हुए लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जनसुनवाई और शिकायत निवारण संबंधी जानकारी भी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई। अभियान के तहत विकासखण्ड वाड्रफनगर के लोधी क्लस्टर शिविर में जवराही, चंवरसरईडी, हरिगवां, गिरवानी, पण्डरी, कोटी, लोधी, महेवा, रामनगर, सरूवत, गुरमटी, मदनपुर, बाजरा, पेण्डारी एवं कोटराही ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। वहीं विकासखण्ड बलरामपुर के चितमा क्लस्टर शिविर में रनहत, करींचलगली, चमनपर, भैरोपुर, लुर्गीकला, बादा, लुर्गीखुर्द, मकरो, चंदौरा, धनवार, चम्पापुर, चितमा एवं अमरपुर ग्रामों के ग्रामीणों ने सहभागिता की।

आयोजित शिविरों में ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच, आयुष्मान कार्ड निर्माण, आधार कार्ड संबंधी सेवाएं, श्रम पंजीयन, जन-धन खाता प्रारंभ करने, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत केवाईसी, शिकायत पंजीयन एवं त्वरित निराकरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

**डिजिटल गवर्नेंस की अनूठी मिसाल, तय समय-सीमा से पहले कार्य पूरा करने की ओर अग्रसर**

# डिजिटल नवाचार से सुकमा ने बनाई अपनी नई पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** देश के सबसे सुदूर और संवेदनशील क्षेत्रों में शुमार सुकमा जिले ने डिजिटल नवाचार और प्रशासनिक कार्यकुशलता के दम पर जनगणना कार्य में एक नई मिसाल पेश की है। भारत की जनगणना 2027 के प्रारंभिक चरणों के तहत नई दिल्ली स्थित महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय तथा राज्य जनगणना निदेशालय (रायपुर) के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त टीम ने जगरगुंडा तहसील के ग्राम पूवर्ती और चिंतलनार का जमीनी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि सुकमा जिला तमाम कठिन भौगोलिक और विषम परिस्थितियों के बावजूद जनगणना कार्य को तय समय-सीमा से पहले पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय टीम ने स्थानीय प्रशासन की इस त्वरित कार्यशैली और



मुस्तैद तैयारियों की मुक्तकंठ से सराहना की।

क्षेत्र में तकनीकी दक्षता का आकलन करने के लिए अधिकारियों ने दोनों गांवों में प्रगणकों के कार्यों को बारीकी से देखा। ग्राम पूवर्ती का प्रगणक जवाराम पटेल के कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने स्वयं कुछ घरों का दौरा किया और नागरिकों से पूछे गए 33 सवालों के उत्तरों का मोबाइल ऐप में दर्ज डेटा से मिलान किया, जो शत-प्रतिशत सही पाया गया। ग्राम चिंतलनार में प्रगणक श्री संतुराम नेताम ने मोबाइल ऐप के माध्यम से लाइव जनगणना कार्य का प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर ऐप में रियल-टाइम जानकारी दर्ज करवाई और पूरी तकनीकी प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस पेपरलेस डिजिटल व्यवस्था ने प्रशासन की पारदर्शिता और फील्ड स्टाफ की तकनीकी दक्षता को साबित किया। निरीक्षण के दौरान तहसील कार्यालय में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक के नक्शा आवंटन से जुड़ी एक तकनीकी समस्या सामने आई। अधिकारियों के संज्ञान में आते ही जिला प्रशासन और तकनीकी नोडल टीम ने फौरन कार्रवाई की और मौके पर ही समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया, जिससे कार्य की गति प्रभावित नहीं हुई।

तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी योचेंद्र कुमार पात्रे, सुपरवाइजरों और स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से संपन्न यह निरीक्षण सुकमा जिला प्रशासन के सुशासन, तत्परता और मजबूत कार्यप्रणाली का बेहतरीन उदाहरण बना। अधिकारियों ने सुदूर पूवर्ती क्षेत्र के नैसर्गिक सौंदर्य के साथ-साथ विकास कार्यों में ग्रामीणों के सकारात्मक सहयोग की भी सराहना की।

# मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से गरीब परिवारों को बेटियों की शादी की आर्थिक चिंता से मिल रही राहत-अरुण साव

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत केशकाल में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षेत्र के 58 जोड़ो ने पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच परिणय सूत्र में बंधकर अपने नए वैवाहिक जीवन की शुरुआत की।

वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, कांकेर के सांसद भोजराज नाग, केशकाल के विधायक नीलकंठ टेकाम और कांकेर के विधायक आशाराम नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध दाम्पत्य जीवन




की कामना की। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना राज्य शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान करना है।

इस योजना से गरीब परिवारों को बेटियों की शादी की आर्थिक चिंता से राहत मिल रही है। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। सभी समाजों के लोगों ने आज नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देकर पुण्य का कार्य किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 35-35 हजार रुपए की सहायता राशि के चेक भी वितरित किए गए। नवदंपत्तियों को गृहस्थ जीवन प्रारंभ करने के लिए आवश्यक सामग्री भी प्रदान किए गए।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्राउन्ड उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### महिला से दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

**कोरबा।** जिले से दोस्ती और भरोसे के रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां पति-पत्नी के बीच हुए घरेलू विवाद के बाद महिला के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच खाना बनाने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद महिला घर से बाहर निकल गई। इसी दौरान उसके पति के कुछ दोस्त वहां पहुंचे और महिला को बातचीत के बहाने अपने साथ बैठा लिया। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने महिला को शराब पिलाई और नशे की हालत का फायदा उठाया। इसके बाद आरोपियों में से एक ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता किसी तरह अपने घर पहुंची और फिर थाने जाकर पुलिस को पूरी जानकारी दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की और दो आरोपियों जाबिर अली और निरंजन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को विधिवत कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

### पारिवारिक विवाद के चलते भतीजे ने की चाचा की हत्या

**बीजापुर।** पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मृतक राम समरथ उर्फचिंगडु उम्र 35 वर्ष, निवासी भैरमगढ़ छिंदभाटा, पारा-मोहल्ले एवं आसपास निवासरत लोगों के गाय-बैल, बकरा-बकरी जंगल में चराकर मिलने वाले मेहनताना से अपना जीवन यापन करता था। 19मई को लगभग 11:30 बजे, आरोपी लखन समरथ उर्फ नाड़ी, उम्र लगभग 33 वर्ष ने मृतक के दाहिने कंधे, सीने पर डण्डे से प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी के द्वारा सुखधर पाड़े उर्फझिटकु, उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी छिंदभाटा को भी सिर में डण्डे से मारकर घायल कर दिया गया। घायल को प्राथमिक उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ भर्ती किया गया, जहां उपचार उपरांत उसे बेहतर ईलाज के लिए जिला अस्पताल बीजापुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना भैरमगढ़ द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई जिसमें आरोपी द्वारा घटना कारित करना स्पष्ट व स्वीकार करने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

### खारुन नदी में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी पहचान में जुटी पुलिस

**रायपुर।** रायपुर में खारुन नदी से एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि शव काफी समय तक पानी में डूबा रहने के कारण बुरी तरह सड़ चुका है, जिससे मृतक की पहचान करना मुश्किल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक पुरुष की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है। उसका कद करीब 5 फीट 6 इंच, चेहरा गोल और रंग सांवला है। शव पर पीले रंग की टी-शर्ट और नीले रंग का लोवर मिला है। पुलिस के अनुसार शव के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य सामान बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पूरा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने अज्ञात शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

# करंट से पति की मौत, दूसरे दिन पत्नी ने दी जान घर में लगाई फांसी, 2 दिन में उठीं दो अर्थियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पति की करंट लगने से मौत के बाद सदमे में पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि महिला अपने पति की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई। इसी कारण पति की मौत के दो दिन बाद उसने भी जान दे दी।

घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार ग्राम गोपालपुर निवासी रामनारायण केंवट का विवाह करीब 4 साल पहले सुनीता बाई केंवट से हुआ था। रामनारायण खेती-किसानी का काम करता था। 17 मई को वह घर में मोटर पंप चालू करने के दौरान करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि पति की अचानक मौत के बाद सुनीता पूरी तरह टूट गई थी। रिश्तेदारों का कहना है कि वह लगातार गुमसुम रहने लगी थी। किसी से ज्यादा बातचीत भी नहीं कर रही थी। परिवार के लोग उसे संभालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पति के बिछड़ने का दुख वह सहन नहीं कर पाई।

#### घर में फंदे पर लटकती मिली लाश

मंगलवार देर रात सभी घर वाले सो रहे थे। इसी दौरान सुनीता ने अपने कमरे में सीलिंग फैन से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। देर रात घरवालों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बुधवार सुबह घटना की सूचना पचपेड़ी पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

#### रिश्तेदारों ने बचाने की कोशिश की लेकिन नहीं बचा पाए

बताया गया कि मंगलवार देर रात सुनीता ने घर के कमरे में सीलिंग फैन से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। देर रात जब रिश्तेदारों की नजर उस पर पड़ी, तब वह फंदे पर झूल रही थी। आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

#### घर में दो दिन में उठीं दो अर्थियां

रविवार को करंट लगने से रामनारायण की मौत के बाद परिवार पहले से ही गहरे सदमे में था। वहीं मंगलवार रात सुनीता की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार उनके घर पहुंच गए। पोस्टमॉर्टम के बाद जब सुनीता का शव गांव लाया गया, तो माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। गांव के लोगों की आंखें नम थीं। शोक के माहौल में महिला का अंतिम संस्कार किया गया। लगातार दो दिनों में एक ही घर से पति-पत्नी की अर्थियां उठने से गांव में मातम पसरा है।

इस मामले में पचपेड़ी थाना पुलिस के मुताबिक करंट की चपेट में आने से पति की जान गई थी। हादसे के दूसरे दिन पत्नी ने भी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले में मर्ग कायम कर लिया गया और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## किसान से मारपीट करने वाला आरोपी गोल्डी शर्मा गिरफ्तार: विवाद बढ़ने के बाद एक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर जिले के आरंग विकासखंड स्थित गुदगुदा ग्राम पंचायत में सतनामी समाज के व्यक्ति से मारपीट और जातिगत टिप्पणी करने के मामले में आरोपी गोल्डी शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गोल्डी शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह किसान के साथ अभद्र व्यवहार कर मारपीट और धमकी देता नजर आ रहा था। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले गांव में भैंसों से भरे वाहन को रोकने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। इसी विवाद के बाद कथित गौ सेवक गोल्डी शर्मा और उसके साथियों पर सतनामी समाज के सदस्य बलराम कुर्रे के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगा था।

#### थाने के सामने हुई थी मारपीट

घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें आरोपी किसान के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट करते नजर आया। सबसे गंभीर आरोप यह है कि मारपीट पुलिस थाने के सामने ही की गई।

#### सतनामी समाज के लोग थाने के बाहर किया था प्रदर्शन

वीडियो वायरल होने के बाद सतनामी समाज में भारी आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में समाज के लोग आरंग थाने पहुंच गए और थाने के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालात को देखते हुए आरंग थाना परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया और भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। इस मामले में विरोध बढ़ने के बाद पुलिस ने गोल्डी शर्मा और उसके अन्य साथियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था। अब मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

## युवक पर जानलेवा हमला करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

### आरोपी ने देर रात 'चोरी करने आया है क्या' कहकर चाकू से किया था हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर के टिकरापारा इलाके में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले हिस्ट्रीशीटर आरोपी आर्यन ठाकुर उर्फ हिमेंद्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को वारदात में इस्तेमाल धारदार चाकू के साथ रंगेहाथ पकड़ा गया।

मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र के साहू मोहल्ला हनुमान मंदिर के पास का है। पुलिस के मुताबिक घायल युवक बलराज शर्मा अपने दोस्त के घर गया था। देर रात खाना खाने के बाद वह घर के बाहर खड़ा होकर बीड़ी पी रहा था। इसी दौरान आरोपी आर्यन ठाकुर वहां पहुंचा और युवक से विवाद शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने युवक से पूछा कि यहां क्यों खड़ा है, चोरी करने आया है क्या। विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देते हुए चाकू निकाल लिया।

आरोप है कि आर्यन ठाकुर ने युवक के पेट पर हमला करने की कोशिश की। बचाव के दौरान बलराज शर्मा के हाथ और कलाई में चोट आई।

#### वारदात के बाद फरार हुआ आरोपी

घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। सूचना मिलते ही टिकरापारा पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाकर आरोपी की तलाश शुरू की गई।

पुलिस टीम ने मुखबिरों की मदद से आरोपी के ठिकानों पर दबिश दी और कुछ ही घंटों में उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल लोहे का धारदार चाकू भी बरामद किया गया।

#### पहले से हिस्ट्रीशीटर है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी की पहचान आर्यन ठाकुर उर्फ हिमेंद्र ठाकुर (20) निवासी यादव मोहल्ला, टिकरापारा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में बढ़ती चाकू बाजी और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार पेट्रोलिंग और हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी की जा रही है।

## रेत के अवैध खनन पर एक्शन : खनिज विभाग ने जारी किए नोटिस

### गोबरानवापारा में 2 पोकलेन जब्त, रेत का अवैध भंडारण भी पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर में अवैध रेत उत्खनन और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई हुई है। इसी क्रम में रायपुर जिले के गोबरानवापारा क्षेत्र में खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो पोकलेन मशीनों को जब्त कर सीलबंद कर दिया।

खनिज विभाग के उप संचालक राजेश मालवे ने बताया कि अवैध खनन की सूचना मिलने पर विभागीय टीम लगातार गश्त और जांच कर रही है। जांच के दौरान गोबरानवापारा तहसील के नवागांव, जौंदा, जौंदी और डगनिया गांवों में बिना अनुमति के रेत का अवैध भंडारण पाया गया।

#### अवैध भंडारण पर विभाग ने की जब्ती

जांच में अनिल कुमार साहू, गोविंद साहू, ईश्वर पटेल, प्रताप सेन, त्रिलोकी साहू, अजय साहू और मनीष ठाकुर द्वारा महानदी से रेत लाकर अवैध भंडारण करना सामने आया। खनिज विभाग ने छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत अवैध रेत जब्त कर संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया है।

#### स्वीकृत क्षेत्र के बाहर हो रहा था उत्खनन

खनिज अमले की जांच में ग्राम लखना रेत खदान में स्वीकृत क्षेत्र से बाहर और पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन कर दो चेन माउंटेड पोकलेन मशीनों से अवैध उत्खनन किया जाना पाया गया। कार्रवाई करते हुए दोनों मशीनों को मौके पर ही सीलबंद किया गया और उत्खनन कार्य तत्काल बंद कराया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को अवैध खनन पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

## जिम से घर लौट रही डॉक्टर से लूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बुधवार शाम महिला डॉक्टर से लूट की वारदात सामने आई। जिम से घर लौट रही डॉक्टर के गले से युवक ने सोने की चेन छीन ली और भागने लगा। डॉक्टर के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने आरोपी का पीछा किया और दौड़ाकर पकड़ लिया।

मंगलवार शाम करीब 6 बजे वह जिम से पैदल अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान पीछे से आए एक युवक ने उनके गले में पहनी सोने की चेन पर झपट्टा मारा और भागने लगा।

डॉक्टर ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद वहां से गुजर रहे लोगों

एआई जनरेटेड

ने आरोपी का पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रेहान साहू बताया। इसके बाद लोगों ने आरोपी को पकड़कर सिविल लाइन पुलिस के हवाले कर दिया।

#### चेन मिली, लेकिन डायमंड लॉकेट नहीं मिला

पीड़िता के अनुसार, छीनी गई चेन में डायमंड का लॉकेट भी लगा हुआ था। पुलिस ने आरोपी के पास से सोने की चेन बरामद कर ली है, लेकिन डायमंड लॉकेट अब तक नहीं मिल पाया है। डॉक्टर ने बताया कि चेन और लॉकेट की कुल कीमत करीब 1 लाख रुपए है।

घटना की सूचना मिलने के बाद सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी रेहान साहू के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

## खेत की झोपड़ी पर गिरी आकाशीय बिजली, एक की मौत, 3 घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**गरियाबंद।** जिले के देवभोग थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। घटना पीटापारा गांव की है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्य खेत में काम कर रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, अचानक मौसम बदलने के बाद तेज बारिश और गरज-चमक शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी लोग खेत में बनी झोपड़ी में जाकर बैठ गए। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली झोपड़ी पर गिर गई। हादसे में 33 वर्षीय ओमप्रकाश ध्रुव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए।

घटना के बाद ग्रामीणों ने घायलों को तत्काल देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## 12वीं हिंदी पेपर-लीक, टीचर समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर कोतवाली पुलिस ने 12वीं बोर्ड परीक्षा के हिंदी पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी के बाद दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक बेमेतरा जिले के स्कूल में पदस्थ पीटीआई शिक्षक भी शामिल है।

बताया जा रहा है कि पीटीआई शिक्षक ने कांग्रेस नेता को हाथ से लिखा हुआ प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बेमेतरा निवासी जवाहर लाल और विकास सेन के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। वहीं अब बेमेतरा के केंद्र प्रभारी और एग्जाम

कंट्रोलर जांच के दायरे में हैं। कोतवाली पुलिस मुताबिक माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों की शिकायत पर 17 मार्च 2026 को 12वीं बोर्ड परीक्षा के हिंदी प्रश्न पत्र लीक होने का मामला दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस ने जांच शुरू की और बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी होने से पहले पेपर लीक के मास्टरमाइंड एनएसयूआई नेता वेणु कुमार जंघेल को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में वेणु कुमार जंघेल ने खुलासा किया कि उसे प्रश्न पत्र बेमेतरा जिले के ग्राम बोरतरा स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ पीटीआई शिक्षक जवाहर लाल कुर्रे ने उपलब्ध कराया था। लीक हुआ प्रश्न पत्र हाथ से लिखा हुआ था। पेपर लेने के दौरान वेणु गोपाल और विकास सेन भी मौजूद थे। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पीटीआई शिक्षक जवाहर लाल कुर्रे और विकास सेन को गिरफ्तार कर लिया है।

बेमेतरा जिले में पदस्थ परीक्षा केंद्र प्रभारी और एग्जाम कंट्रोलर भी अब पुलिस की जांच के दायरे में आ गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले से जुड़े कई अहम तथ्यों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में लापरवाही और मिलीभगत की आशंका सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है। फिलहाल पूरे नेटवर्क और पेपर लीक की प्रक्रिया की गहन जांच जारी है।

13 मार्च की रात को टेलीग्राम में 12वीं बोर्ड का हिंदी पेपर लीक होने का मैसेज आया था। मैसेज के साथ एक इमेज अटैच थी। आगे लिखा था 12वीं बोर्ड हिंदी पेपर, दो इमोजी और अगली लाइन सीजी बोर्ड 2026 रियल क्रेश्चन पेपर। ग्रूप के सभी मेंबर्स ने बिना देरी किए सबसे पहले ये इमेज मोबाइल पर सेव कर ली।

इसके बाद ये इमेज वाला मैसेज 15 मिनट में 15,000 से अधिक स्टूडेंट के मोबाइल पर पहुंच गया। इमेज के दो पन्नों पर 15 सवाल थे। पहले पेज के कॉर्नर पर लिखा था बी सभी 15 सवाल हाथ से लिखे गए थे, लेकिन लिखाई का पैटर्न बिल्कुल असली क्रेश्चन पेपर की तरह था। 14 मार्च को हिंदी का पेपर था, उसके ठीक 10 घंटे पहले सोशल मीडिया में लीक हुआ था।

### होटल के कमरे में बुजुर्ग की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

**रायपुर।** रायपुर के फाफाडीह स्थित एक होटल में बुजुर्ग व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग का शव होटल के कमरे में बेड पर पड़ा मिला, जिसके बाद होटल प्रबंधन ने देर रात डायल 112 को सूचना दी। बताया जा रहा है कि मृतक पटना से रायपुर आया हुआ था और फाफाडीह स्थित रंजीत होटल में ठहरा हुआ था। देर रात उसकी तबीयत बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। होटल सूत्रों के अनुसार मौत से कुछ समय पहले बुजुर्ग ने होटल रिसेप्शन पर फोन कर कमरे में पानी भेजने के लिए कहा था। घटना के बाद होटल प्रबंधन ने शव को अस्पताल भिजवाया, जहां उसे मेकाहारा लाया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस हार्ट अटैक से मौत की आशंका जता रही है, हालांकि मौत किन परिस्थितियों में हुई इसकी जांच जारी है।

प्रमुख खबरें

## तीजन बाई के परिजनों ने राज्यपाल को दिया न्यौता

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका से प्रख्यात लोक कलाकार एवं पंडवानी गायिका श्रीमती तीजन बाई के परिजनों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने तीजन बाई के स्वास्थ्य की जानकारी साझा की। पद्मविभूषण तीजन बाई के परिजनों ने बताया कि उनके सम्मान में आगामी 7 अगस्त को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। परिजनों ने इस अवसर पर राज्यपाल डेका को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर तीजन बाई की पुत्रवधू श्रीमती वेणू देशमुख सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## असाक्षरों की पहचान के लिए चलाया जाएगा अभियान

**रायपुर।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य शासन द्वारा व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वयस्क नागरिकों को सशक्त बनाना है, जिन्होंने औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है। योजना के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के साथ-साथ जीवन कौशल, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, व्यावसायिक कौशल तथा बुनियादी शिक्षा का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। शासन ने उल्लास कार्यक्रम को विकसित भारत निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है। राज्य शासन द्वारा कहा गया है कि असाक्षर व्यक्तियों की पहचान के लिए युद्धस्तर पर घर-घर सर्वेक्षण अभियान संचालित किया जाए। ग्राम, पारा, टोला एवं मोहल्ला स्तर पर ग्राम प्रभारी अथवा वार्ड प्रभारी के नेतृत्व में 10 से 15 सदस्यीय टीम गठित की जाएगी। इन टीमों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी, एनसीसी एवं एनएसएस के सदस्य होंगे।

## नवागढ़ की 5वीं-6वीं सदी में बनी प्राचीन धरोहरों का होगा संरक्षण, विशेषज्ञों की टीम करेगी निरीक्षण : राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोंडागांव।** छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कोंडागांव जिले के नवागढ़ क्षेत्र में प्राप्त प्राचीन पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में त्वरित संज्ञान लिया है। मंत्री श्री अग्रवाल ने पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय को निर्देशित किया है कि नवागढ़ क्षेत्र में उपलब्ध प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य पुरातात्विक अवशेषों का विशेषज्ञ दल के माध्यम से शीघ्र स्थल निरीक्षण एवं विस्तृत सर्वेक्षण कराया जाए।

संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि नवागढ़ क्षेत्र में 5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी से संबंधित प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य अवशेषों की जानकारी सामने आने के बाद इस स्थल का वैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विशेषज्ञ दल द्वारा क्षेत्र में उपलब्ध सभी प्रतिमाओं, स्थापत्य अवशेषों, शिल्प कलाकृतियों

और संभावित पुरातात्विक स्थलों का सूक्ष्म अध्ययन किया जाए तथा उनका विस्तृत दस्तावेजीकरण भी किया जाए, ताकि इन धरोहरों के ऐतिहासिक महत्व का समुचित आकलन किया जा सके।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि सर्वेक्षण प्रतिवेदन के आधार पर इन पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा की जाएगी। यदि स्थल का ऐतिहासिक महत्व प्रमाणित होता है, तो उसे पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन सभ्यताओं, स्थापत्य कला और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिपूर्ण रही है। प्रदेश में ऐसे कई महत्वपूर्ण स्थल हैं, जिनका व्यवस्थित अध्ययन और संरक्षण होना है। इन धरोहरों का संरक्षण केवल अतीत को सुरक्षित रखने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और इतिहास से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। सरकार ऐतिहासिक स्थलों और पुरातात्विक धरोहरों को संरक्षण के साथ-साथ अध्ययन, शोध और सांस्कृतिक पर्यटन के दृष्टिकोण से भी विकसित करना चाहती है।

### कृषि नवाचार, किसान कल्याण और टिकाऊ खेती

# भुवनेश्वर जोनल कार्यक्रम में बोले कृषि मंत्री छत्तीसगढ़ बना कृषि सुधारों का राष्ट्रीय मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

**भुवनेश्वर/रायपुर।** कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 19 मई को आयोजित राष्ट्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ को कृषि नवाचार, किसान कल्याण और टिकाऊ खेती के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि, कृषि विविधीकरण और ग्रामीण समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने तिलहन मिशन के तहत पूर्वोत्तर पांच राज्यों में छत्तीसगढ़ द्वारा लक्ष्य पूरा करने में पहले स्थान प्राप्त करने पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि राज्य में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, जो देश में धान के लिए सबसे पारदर्शी और ऐतिहासिक समर्थन व्यवस्था मानी जा रही है। पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने 437 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी कर किसानों के खातों में लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का सीधा भुगतान किया है।

सम्मेलन में मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार केवल बड़े किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत 5 लाख से अधिक परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता सीधे बैंक खातों में दी जा रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ तेजी से बागवानी और वैकल्पिक खेती के केंद्र के रूप में उभर रहा है। बस्तर में कॉफी, अनासपाती और जशपुर में चाय की खेती आदिवासी क्षेत्रों में नई आर्थिक संभावनाएं खोल रही हैं।

कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने जोनल कॉन्फ्रेंस में बताया कि राज्य में कृषि के क्षेत्र में 128 हाईटेक नर्सरी, 71 कोल्ड स्टोरेज, 63 पैकहाउस और 428 सोलर ड्रायर विकसित किए गए हैं। ऑयल पाम, बांस मिशन, प्राकृतिक खेती, दलहन-तिलहन विस्तार तथा कृषि वानिकी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 4.89 लाख किसानों को 854 करोड़ रुपये से अधिक की दावा राशि वितरित की गई है। श्री परदेशी ने कॉन्फ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ में एआई, ड्रोन तकनीक और एकीकृत किसान पोर्टलों के माध्यम से कृषि व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जा रहा है।

### केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने की सराहना

राष्ट्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एग्रीस्टेक पोर्टल, दलहन-तिलहन विस्तार, पीएम आशा योजना, प्राकृतिक खेती और तिलहन मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की सराहना की। उन्होंने पूर्वोत्तर एवं पूर्वी भारत के 5 राज्यों पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखण्ड, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के बीच तिलहन मिशन में लक्ष्य प्राप्ति पर छत्तीसगढ़ को प्रथम स्थान हासिल करने के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर 5 राज्यों के कृषि मंत्री सहित छत्तीसगढ़ शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं विभागीय सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक कृषि राहुल देव, संचालक उद्यानिकी लोकेश चन्द्राकर और संयुक्त संचालक कृषि गयाराम उपस्थित थे।

## अबूझमाड़ का महुआ प्रसंस्करण केन्द्र बनेगा जनजातीय सहकारिता का मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

**नारायणपुर।** अबूझमाड़ क्षेत्र के विकास और वहां जनजातीय नेतृत्व में महुआ प्रसंस्करण के लिए एक प्रभावी सहकारी मॉडल विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में समर्थन मूल्य पर तेंदूपत्ता संग्रहण तथा आदिवासियों की आय बढ़ाने के लिए वन धन योजना और ट्राईफेड के तहत महुआ प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने की कार्ययोजना पर भी विमर्श किया गया। मुख्य सचिव विकास शील की अध्यक्षता में यहाँ मंत्रालय में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी लघु वनोपज संघ की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

अधिकारियों ने बताया कि वन धन सहकारी समितियों द्वारा महुआ फूलों से मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से महुआ लड्डू और कुकीज, महुआ स्क्वैश (शरबत), महुआ का अचार और महुआ उत्पादों की प्रोसेसिंग को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन यूनिट स्थापित करने हेतु स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया गया।

बैठक में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की भी समीक्षा की गई। इस दौरान संग्रहण से जुड़े व्यापार में सरकार को वित्तीय हानि से बचाने और संग्राहकों को अधिक से अधिक लाभांश पहुंचाने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा वर्तमान में संग्राहकों को पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था के तहत सीधे ऑनलाइन भुगतान किया जा रहा है। इसके लिए एक आधुनिक सिस्टम विकसित किया गया है, जिससे भुगतान की राशि सीधे संग्राहकों के बैंक खातों में जमा हो रही है।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव शम्मी आबिदी, गृह विभाग सचिव नेहा चंपावत, पीसीसीएफ श्रीनिवास राव सहित अन्य उपस्थित रहे।

## सियानगुड़ी में वरिष्ठ नागरिकों को मिला सहारा व सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

**जशपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित सियान गुड़ी बुजुर्गों के लिए देखभाल, स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक जुड़ाव का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रही है।

समाज कल्याण विभाग की इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत जिले में अब तक 94 वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 32 बुजुर्गों को नियमित रूप से फिजियोथेरेपी की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें शारीरिक समस्याओं से राहत मिल रही है।

हाल ही में जिला अस्पताल की विशेषज्ञ टीम, चिकित्सा अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, साइकेट्रिक नर्स और लैब तकनीशियन शामिल थे, इस टीम ने सियान गुड़ी और नशामुक्ति केंद्र के हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त जांच किया। टीम ने वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सलाह और काउंसिलिंग भी प्रदान की।

सियान गुड़ी में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से वरिष्ठ नागरिक विभिन्न मनोरंजक, सामाजिक और स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों में भाग लेते हैं। दिनभर की गतिविधियों के बाद शाम 6 बजे सभी पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में सुंदरकांड का पाठ किया जाता है, जिससे आध्यात्मिक और मानसिक शांति का वातावरण बनता है। सियान गुड़ी से लाभान्वित वरिष्ठ नागरिकों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केंद्र उनके लिए सम्मान, देखभाल और आत्मीयता का स्थान बन गया है।

**कोंडागांव।** उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रथम तेलीन सत्ती माता महोत्सव में शामिल होने से पहले केशकाल घाटी में स्थित तेलीन सत्ती माता मंदिर में माता दर्शन किया और पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान सांसद भोजराज नाग और विधायक आशाराम नेताम भी मौजूद थे।

## निजी स्कूलों की शिकायतों के लिए जांच समिति गठित

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अशासकीय विद्यालयों में फीस वृद्धि तथा पुस्तक, गणवेश एवं शैक्षणिक सामग्री खरीद को लेकर प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु जिला एवं विकासखंड स्तर पर निगरानी एवं जांच समितियों का गठन किया गया है। प्रदेश में संचालित कुछ अशासकीय विद्यालयों द्वारा पालकों को पुस्तक, गणवेश एवं अन्य सामग्री किसी एक विशेष फर्म से खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे पालकों पर अतिरिक्त आर्थिक भार बढ़ रहा है। समाचार पत्रों में भी लगातार शिकायतें प्रकाशित हो रही थीं।

### एक्के नंबर - सब्बो बर : डायल 112 नेक्स्ट जनरेशन सेवा का जिलों में शुभारंभ

# रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में गृह मंत्री शर्मा ने 54 इमरजेंसी रिस्पांस वाहनों को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में नागरिक सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं तकनीक आधारित बनाने पुलिस परेड ग्राउंड में डायल-112 फेस-2 नेक्स्ट जनरेशन सेवा का भव्य शुभारंभ उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने किया। गृहमंत्री श्री शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर 54 नवीन इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहनों को शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं के लिए रवाना किया गया।

इस अवसर पर रायपुर (पश्चिम) विधायक राजेश मूणत, रायपुर (उत्तर) विधायक पुरंदर मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित कांबले, कलेक्टर रायपुर गौरव कुमार, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक श्वेता सिन्हा सहित शासन एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पहले डायल-112 सेवा 16 जिलों तक सीमित थी, जिसे अब सभी 33 जिलों में लागू किया गया है। रायपुर कमिश्नरेट क्षेत्र हेतु 33 ईआरवी एवं ग्रामीण क्षेत्र हेतु 21 ईआरवी सहित कुल 54 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु 4 विशेष हाईवे पेट्रोलिंग वाहन भी तैनात किए गए हैं। सभी वाहन अत्याधुनिक जीपीएस सिस्टम, स्मार्ट कंट्रोल एवं मॉनिटरिंग सिस्टम, कॉल रिकॉर्डिंग, रियल टाइम ट्रैकिंग एवं डिजिटल कम्युनिकेशन तकनीक से लैस हैं, जिससे सूचना प्राप्त होते ही त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी।

डायल-112 सेवा एक नंबर- सबकी मदद (एक्के नंबर, सब्बो बर) की अवधारणा पर आधारित है। '112' डायल कर पुलिस सहायता, फायर ब्रिगेड, मेडिकल इमरजेंसी, महिला हेल्पलाइन (1091), चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), आपदा प्रबंधन एवं हाईवे इमरजेंसी जैसी समस्त आपातकालीन सेवाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा।

### मोहला-मानपुर-अंबागढ़

डायल-112 वाहन (फेज-2 नेक्स्ट जेन) सेवा को जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, कलेक्टर तुलिका प्रजापति एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत भारती चंद्राकर, जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, मदन साहू, रमेश हिडामे, अनिल गुप्ता, सहित अधिकारी, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं सभी स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

### कोरबा को मिले 22 नए वाहन

कोरबा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने 22 डायल 112 नेक्स जेन वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इस

अवसर पर कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, तथा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, महापौर संजू देवी राजपूत, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी उपस्थित थे।

### अंबिकापुर को मिले 12 वाहन

पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने पुलिस ग्राउंड में 12 अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' तथा मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ

किया। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, आईजी दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसंत, एसएसपी राजेश अग्रवाल, सीएसपी राहुल बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों सहित अन्य उपस्थित थे।

## पुलिस लाइन उर्दना में पुलिस जिम का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायगढ़।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पुलिस लाइन उर्दना, रायगढ़ में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पुलिस जिम का लोकार्पण किया। उन्होंने रिबन काटकर जिम का शुभारंभ किया और जिम कक्ष में स्थापित हनुमान जी के चित्र पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना की।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जिम में स्थापित आधुनिक फिटनेस उपकरणों का अवलोकन किया और कहा कि वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक फिटनेस और मानसिक वेलनेस दोनों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने सभी को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम के लिए समय निकालने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी चौबीसों घंटे जनसेवा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे में उनका शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। यह आधुनिक जिम न केवल पुलिसकर्मियों बल्कि उनके परिवारजनों और स्थानीय युवाओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा तथा स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को बढ़ावा देगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि पुलिसकर्मियों को तनावमुक्त रखने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए रायगढ़ पुलिस द्वारा योग, खेल और फिटनेस गतिविधियों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम में महापौर जीवर्धन चौहान, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, सभापति डिग्रीलाल साहू, आदि उपस्थित रहे।

### कबीरधाम में भी नेक्स्ट जनरेशन सेवा का शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले में डायल-112 के 16 नवीन इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहनों (ईआरवी) एवं एक हाईवे पेट्रोलिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में गौ सेवा आयोग अध्यक्ष बिशेसर पटेल, पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका परिषद कवर्धा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम ध्रुवे, नंदलाल चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950